बर्षः- 05
अंकः- 295
मुरादाबाद
(Tuesday)
17 February 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी बोले- सपा-कांग्रेस वंदे मातरम् का

फरीदाबाद में बड़ा हादसाः फैक्टरी में

विरोध कर रहे, राष्ट्रीय गीत के साथ क्यों नहीं खड़े?

पहले कहावत थी, देख सपाई-बेटियां घबराई, योगी बोले- आज नाइट शिफ्ट में कर रहीं काम

विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा पर गाजी मेले के समर्थन का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार प्रदेश के तीर्थों का विकास कर रही है। उन्होंने यूपी की बढ़ती जीडीपी, किसानों को डीबीटी के जरिए भुगतान, ओडीओपी और एमएसएमई के विस्तार का उल्लेख किया और डबल इंजन सरकार को विकास का आधार बताया।विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा पर गाजी मेले के समर्थन का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार प्रदेश के तीर्थों का विकास कर रही है। उन्होंने यूपी की बढ़ती जीडीपी, किसानों को डीबीटी के जरिए भुगतान, ओडीओपी और एमएसएमई के विस्तार का उल्लेख किया और डबल इंजन सरकार को विकास का आधार बताया।यूपी विधान परिषद में सीएम योगी ने राज्यपाल के अभिभाषण पर कहा, विपक्ष से किसी तरह की उम्मीद करना बेवकूफी है। पहले की सरकारों ने यूपी को अपराध का गढ़ बना दिया था। कर्फ्यू यहां की पहचान बन गई थी। वंदे मातरम् का 150वां साल चल रहा। मैं पूछता हूं, सपा-कांग्रेस आखिर इसका विरोध क्यों कर रहे? इस देश में रहोगे और यहां के राष्ट्रीय गीत पर खड़े नहीं होगे।पहली की सरकारों का विकास परिवारवादी था। जेपीएनआईसी का उदाहरण देते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। कहा कि 800 करोड़ खर्च हो गए वह फिर अधूरा है। हमने जेपी के जन्मभूमि पर अस्पताल बनवाया।1400 करोड़ खर्च हो गए, फिर भी गोमती रिवर फ्रंट का प्रोजक्ट अधूरा है, यह महज 300 करोड़ का प्रोजेक्ट था। युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हुआ सीएम योगी ने कहा, सरकार ने अपने कार्यकाल में अराजकता फैलाई। इसीलिए युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हुआ। किसान सुसाइड के लिए मजबूर हुआ। आज जल, थल, नभ तीनों यूपी के अंदर देखने को मिलता है। यूपी में पहली रैपिड रेल का उद्घाटन 22 फरवरी को होगा। आज यूपी में सुरक्षा का बेहतरीन वातावरण है। मेरठ से दिल्ली सिर्फ 45 मिनट में तय होता है। आज 22 एक्सप्रेसवे वाला राज्य यूपी है। इनमें 7 क्रियाशील हो चुके हैं और 5 निर्माणाधीन हैं। 10 पर हम काम कर रहे हैं। 2017 से पहले राशन वितरण की खूब शिकायतें थीं- सीएम योगी ने कहा, 2017 से पहले राशन वितरण की खूब शिकायतें थीं। आज कोई शिकायत नहीं है, क्योंकि टेक्नालॉजी का उपयोग किया गया। 6 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे। किसी भी सेक्टर में यदि यूपी के युवा को मौका मिला, तो उसने अपनी अलग छाप छोड़ी। डाटा आज की सबसे बड़ी ताकत है। एआई देश का मर्चिंग सेक्टर है। इसके लिए बजट में व्यवस्था की गई है। प्रदेश में बेरोजगारी की दर 2.24 फीसदी तक आ गई- सीएम योगी ने कहा, %सीएम युवा उद्यमी% स्कीम से काम चल रहा है। हर साल एक लाख युवा उद्यमी बन सकें, इसके लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ईवी के पहली यूनिट लखनऊ में स्थापित हुई है। 20 हजार से अधिक स्टार्ट अप यूपी में चल रहे हैं। प्रदेश में बेरोजगारी की दर 2.24 फीसदी तक आ गई है। हर गांव में खेल का मैदान हो, इसके लिए भी प्रयासरत हैं। इलेक्ट्रिक व्हीकल के बाजार में यूपी की धमक है। खरीदे जा रहे वाहनों 19 फीसदी हिस्सा यूपी का है। तिपहिया वाहनों में 40 फीसदी से अधिक यूपी का हिस्सा है। पिछले नौ वर्ष में प्रदेश ने एक अपनी यात्रा तय की है। यह यात्रा अपराध और अव्यवस्था से अनुशासन, कर्फ्यू से कानून के राज, उपद्रव से उत्सव की यात्रा, समस्या से समाधान और अविश्वास से आत्मविश्वास की यात्रा है। इस यात्रा को देश और दुनिया स्वीकार करती है। वे कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में बदलाव आया है। यह अधिकार प्रदेश की 25 करोड़ जनता को पहले ही मिलना चाहिये था लेकिन अपने संकुचित एजेंडे को लेकर चलने वाली सरकारों ने प्रदेश के भविष्य और जनता जनार्दन के साथ खिलवाड़ किया।

उनके सामने पहचान का संकट खड़ा किया। प्रदेश को अराजकता, अव्यवस्था, अपराध का एक गढ़ बना दिया। इस दौरान कर्फ्यू यहां की पहचान बन गई थी। उत्तर प्रदेश को भारत के शाश्वत मूल्यों की आधारभूमि माना जाता है, उसमें किस प्रकार की अव्यवस्था थी, यह हम सबने देखा है। वहीं डबल इंजन सरकार की स्पष्ट नीति, साफ़ नीयत, सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता से आज उत्तर प्रदेश ने बॉटलनेक से देश की अर्थव्यवस्था का ब्रेकथॉट बनाने में सफलता प्राप्त की है।

दुनिया के सामने टेक्नोलॉजी, भरोसे और परिवर्तन के समन्वित मॉडल के रूप में उभरा - मुख्यमंत्री ने कहा कि अब यूपी रेवन्यू सरप्लस और उत्सव प्रदेश के रूप में अपनी यात्रा को लेकर मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में दुनिया के सबसे बड़े एआई इंपेक्ट समिट का उद्घाटन किया है। यह पांच दिनों तक देश और दुनिया के 18 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्षों की उपस्थिति में चलेगा। इस समय जब दुनिया तेजी से इमर्जिंग टेक्नोलॉजी की ओर बढ़ रही है, तब भारत भी इस दिशा में मजबूत और दूरदर्शी रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। देश न केवल वर्तमान बल्कि भावी पीढ़ी के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक बेहतरीन योजना के साथ कार्य कर रहा है। नीतिगत उदासीनता और विकास विरोधी सोच के माहौल को हमने बदला - मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में नीतिगत उदासीनता, प्रशासनिक शिथिलता और विकास विरोधी सोच का जो माहौल था, उसे बीते वर्षों में पूरी तरह बदलने का प्रयास किया गया। अनुशासन, निर्णायक नेतृत्व, स्पष्ट नीति और शुद्ध नीयत के माध्यम से शासन-प्रशासन को एक नई दिशा देने का कार्य किया गया है। इसी का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन सरकार के कार्यों का प्रभाव भी प्रदेश में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। पहले वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया जैसी स्थिति ने प्रदेश को झकझोर रखा था मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में सत्ता के संरक्षण में पल रहे गुंडे और माफिया समानांतर सरकार चलाते थे। गुंडा टैक्स और अवैध वसूली प्रदेश की नियति बन चुकी थी। वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया जैसी स्थिति ने उत्तर प्रदेश को झकझोर कर रख दिया था। कानून चंद हाथों की जागीर बन गया था और कर्फ्यू व दंगे आम बात हो गई थी। पर्व और त्योहार आस्था के बजाय आशंका के केंद्र बन जाते थे। पुलिस का मनोबल टूटा हुआ था। न बेटियां सुरक्षित थीं और न व्यापारी। उस दौर में प्रदेश की छवि अराजकता और अस्थिरता के पर्याय के रूप में देखी जाती थी। वहीं वर्ष 2017 के बाद यही उपद्रवग्रस्त उत्तर प्रदेश आज उत्सव प्रदेश में बदल चुका है। अब राज्य में कानून का राज स्थापित हुआ है। उत्तर प्रदेश विधानमंडल में आज से वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर चर्चा हुई। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना पहले विधायकों को बजट पर बोलने का मौका दिया। सदस्यों ने अपने-अपने मत रखे।सीएम ने कहा कि सपा को कांग्रेस से सीखना चाहिए। कोई भी ऐसा आचरण न करें, जो समाज में विभेद पैदा करता हो। जिम्मेदार विपक्ष के रूप में भूमिका का निर्वहन करें। राज्यपाल का आभार व्यक्त करें। विपक्ष के लोग भी सर्वसम्मति से धन्यवाद प्रस्ताव पारित करें।सीएम ने कहा कि पहली की सरकारों का विकास परिवारवादी था। जेपीएनआईसी का उदाहरण देते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। कहा कि 800 करोड़ खर्च हो गए वह फिर भी अधूरा है। हमने जेपी के जन्मभूमि पर अस्पताल बनवाया।1400 करोड़ खर्च हो गए, फिर भी गोमती रिवर फ्रंट का प्रोजक्ट अधूरा है, यह महज 300 करोड़ का प्रोजेक्ट था। सपा सरकार ने अपने कार्यकाल में अराजकता फैलाई। इसीलिए युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हुआ। किसान सुसाइड के लिए मजबूर हुआ। आज जल, थल, नभ तीनों यूपी के अंदर देखने को मिलता है। यूपी में पहली रैपिड रेल का उद्घाटन 22 फरवरी को होगा। आज यूपी में सुरक्षा का बेहतरीन वातावरण है। मेरठ से दिल्ली सिर्फ 45 मिनट में तय होता है। आज 22 एक्सप्रेसवे वाला राज्य यूपी है। इनमें 7 क्रियाशील हो चुके हैं और 5 निर्माणाधीन हैं। 10 पर हम काम कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

आज से शुरू होंगी परीक्षाएं, 55 केंद्रों पर 10वीं और 12वीं के 46478 परीक्षार्थी होंगे शामिल

वाराणसी जिले में आजसीबीएसई की परीक्षाएं मंगलवार से शुरू होंगी। इसके लिए जिले में 55 केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर कुल 46478 छात्र-छात्राएं परीक्षाएं देंगे। इसमें कक्षा 10 के 22932 और कक्षा 12 के 23546 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। जिले में सीबीएसई विद्यालयों की संख्या 166 है। इनमें से बोर्ड परीक्षा के लिए 55 विद्यालयों को केंद्र बनाया गया है। इन विद्यालयों में कुल 46478 छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे। परीक्षा सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक होंगी। इस बार की बोर्ड परीक्षा के लिए बनाए गए अधिकतर केंद्र शहरी सीमा में हैं। सीबीएसई की ओर से परीक्षा को लेकर जारी की गई गाइडलाइन के अनुसार सभी केंद्रों पर हर 24 बच्चे पर दो निरीक्षकों की तैनाती की जाएगी। सभी केंद्र के लिए एक ऑब्जर्वर भी तैनात किए जाएंगे। बोर्ड की ओर से परीक्षा को लेकर जारी निर्देश के अनुसार जिले के सभी केंद्रों पर जितनी भी कक्षाएं होंगी। परीक्षा में जांच के लिए उड़ाका दल का गठन भी किया गया है। बोर्ड ने कहा है कि यदि किसी विद्यार्थी ने उत्तरपुस्तिका में गाली या धमकी लिखी या करेंसी रखी तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर परीक्षा से जुड़ीं किसी भी तरह की अफवाह फैलाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।परीक्षा के लिए जरूरी दस्तावेज- सभी रेगुलर परीक्षार्थियों को अपने स्कूल की यूनिफॉर्म में परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होना होगा।

फटे कई केमिकल ड्रम, 30 से अधिक मजदूर झुलसे; मची अफरातफरी

यह घटना औद्योगिक सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। जिस तरह से एक के बाद एक कई ड्रम फटे, उससे लगता है कि कंपनी में सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी खामियां थीं। हरियाणा के फरीदाबाद स्थित मुजेसर इलाके में एक निजी कंपनी में सोमवार शाम को हुए एक भीषण हादसे में 30 से अधिक कर्मचारी झुलस गए। कंपनी में मेटल शीट कटिंग का काम होता है, जिसके लिए सीएनसी मशीनें लगी हैं। शाम के समय जब कर्मचारी काम कर रहे थे, तभी वहां रखे एक केमिकल ड्रम में अचानक धमाका हो गया। इसके बाद एक के बाद एक कई ड्रम फटते चले गए, जिससे आग लग गई और कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई।हादसे का विवरण और बचाव कार्य प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम को कंपनी में कर्मचारी अपना काम कर रहे थे। इसी दौरान, अचानक एक ड्रम में विस्फोट हुआ। इस विस्फोट ने आस-पास रखे अन्य ड्रमों को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कई और ड्रम फट गए। इस धमाके और आग की चपेट में आकर 30 से अधिक कर्मचारी झुलस गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। बचाव कार्य शुरू कर दिया गया और घायलों को तत्काल सिविल अस्पताल और आसपास के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि आखिर किस कारण से यह धमाका हुआ।जांच और सुरक्षा पर सवाल- यह घटना औद्योगिक सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। जिस तरह से एक के बाद एक कई ड्रम फटे, उससे लगता है कि कंपनी में सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी खामियां थीं। मेटल शीट कटिंग के काम में इस्तेमाल होने वाले रसायनों के भंडारण और उनकी सुरक्षा को लेकर बरती गई लापरवाही इस हादसे का कारण हो सकती है। दिए गए जांच के आदेश- प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। कंपनी प्रबंधन से भी जवाब मांगा गया है। प्रशासन का कहना है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे और सभी औद्योगिक इकाइयों की सुरक्षा जांच की जाएगी। घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए गए हैं।दमकल और पुलिस कर्मी भी आए चपेट में- घटना स्थल पर करीब 20 एम्बुलेंस पहुंची हैं। एक एम्बुलेंस चालक रवि ने बताया कि इसमें पुलिस कर्मचारी व दमकल विभाग के कर्मचारी भी जख्मी हुए हैं। सभी का बीके अस्पताल में उपचार चल रहा है। इनमें से कई गंभीर घायल हैं।मजदूर ही नहीं अन्य लोग भी आए चपेट में- घायल विपिन ने बताया कि वह धमाके वाली जगह से 500 मीटर दूर सड़क पर थे, उनके साथ अन्य राहगीर लोग भी इसकी चपेट में आए हैं। कंपनी के आसपास खुली दुकान संचालक भी इसकी चपेट में आ गए हैं।मजदूर ही नहीं अन्य लोग भी आए चपेट में- घायल विपिन ने बताया कि वह धमाके वाली जगह से 500 मीटर दूर सड़क पर थे, उनके साथ अन्य राहगीर लोग भी इसकी चपेट में आए हैं। कंपनी के आसपास खुली दुकान संचालक भी इसकी चपेट में आ गए हैं।20 से 25 ड्रम फटे- मौके पर मौजूद लोगों ने कहा कि करीब 20-25 ड्रम थे, जो एक बाद एक विस्फोट हो रहे थे। इस विस्फोट से करीब 100 मीटर में खड़े वाहन दुपहिया व कार जल के राख हो गए।

अखिलेश यादव बोले- भाजपा की एक गुप्त बैठक हुई थी, जिसमें तय हुआ कि सपा का वोट कैसे कटवाना है

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर गुप्त बैठक कर सपा का वोट कटवाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विशेष पुनरीक्षण के दौरान फॉर्म-7 के जरिए पीडीए और अल्पसंख्यक वोटरों को निशाना बनाया जा रहा है। अखिलेश ने चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा, विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान भाजपा पीडीए और खासकर अल्पसंख्यकों के वोट कटवाने की साजिश कर रही है। फॉर्म-7 के जरिये भाजपा वोटों की चोरी कर रही है। आयोग कार्रवाई नहीं कर रहा है। भाजपा सरकार वोट काटकर चुनाव जीतना चाहती है। सपा प्रमुख का दावा है कि बीजेपी की एक गुप्त बैठक में यह तय किया गया था कि हर विधानसभा में वोट कटवाए जाएंगे। उन्होंने कन्नौज का जिक्र करते हुए कहा कि वहां के एक नेता ने भी बयान दिया था कि ज्यादा पढ़ा-लिखा कभी-कभी गलती कर देता है। भाजपा को ये बात पता है कि इस बार यूपी का चुनाव वो जीत नहीं रहे हैं। इसलिए वो ऐस हरकत कर रहे हैं। कैसे सामने वाला का वोट काटें। लेकिन जनता सब जानती है। हर बात का जवाब देगी। हम भी शांत नहीं रहेंगे। वोट में घोटाला होने नहीं देंगे। सकलडीहा विधानसभा में फॉर्म 7 के 16 आवेदन जमा किए गए। वहीं बाबागंज विधानसभा के बूथ नंबर 365 पर फर्जी हस्ताक्षर कर फॉर्म 7 भरकर करीब 100 वोट कटवा दिए गए। हमारे एक बीएलए का भी वोट कटवा दिया गया। यह सीधी साजिश है, जिसमें असली वोटरों के नाम हटाने की कोशिश हो रही है। हमारे नगर अध्यक्ष का काम कटवा दिया- अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि औरैया नगर अध्यक्ष का नाम भी मतदाता सूची से हटा दिया गया। इतना ही नहीं, बलिया के सिकंदरपुर से सपा विधायक की पत्नी का नाम भी कटवा दिया गया। हमारे ही वोटर से नगर अध्यक्ष का काम कटवा दिया गया। यह सब विपक्ष को उलझाए रखने की रणनीति है। अयोध्या का उदाहरण देते हुए कहा कि एक बूथ पर 181 नोटिस जारी हुए, जिनमें से 76 प्रतिशत पीडीए समाज को मिले। 46 प्रतिशत नोटिस यादव और मुस्लिम समुदाय के लोगों को दिए गए। अयोध्या में सपा ने 47 फॉर्म 7 भरे, जबकि बीजेपी ने करीब एक हजार आवेदन दिए। भाजपा ने एक करोड़ वोट बढ़वाए-सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अभी तक जिस एसआईआर से पूरा देश परेशान था अब उससे भाजपा के लोग परेशान हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक करोड़ वोट बढ़वाया है। ऐसे लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।अखिलेश यादव प्रदेश में एसआईआर के बाद राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गई कच्ची मतदाता सूची पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि वोट बढ़ाने का बीजेपी के लोग दवाब बनाएंगे क्योंकि उनका वोट कट गया है। उन्होंने फर्जी वोट बनाए थे। इसका मतलब फर्जी वोट डाले गए हैं और सबसे ज्यादा वोट बीजेपी के बूथों पर निकले हैं। जिस एसआईआर से ये पूरे देश को परेशान कर रहे थे मैं उत्तर प्रदेश की जनता का धन्यवाद करना चाहता हूं आज एसआईआर से बीजेपी परेशान है और इसलिए गुपचुप बैठक कर रहे हैं।

संपादकीय Editorial

RERA's Rightful Rebuke

Under the subvention scheme, funds approved for a project were transferred directly to builders' accounts. They were required to pay EMIs until the flats were handed over to homebuyers. However, in many cases, builders stopped paying EMIs before the flats were ready. The Supreme Court is responsible for the severe rebuke it issued to the Real Estate Regulatory Authority (RERA). It is failing to live up to the expectations with which it was formed. Due to RERA's poor functioning, countless people are forced to approach the courts, and everyone knows that justice takes time. RERA's disappointing functioning is evident from the fact that the Supreme Court had to declare that it would be better off shutting it down. It also made the harsh remark that it was doing nothing more than providing relief to bankrupt builders. This simply means that instead of protecting the interests of flat buyers, it favors the builders it should be monitoring, ensuring they complete their projects on time and prevent arbitrary changes. While the Supreme Court's harsh comments against RERA in a Himachal Pradesh case apply to almost all state RERAs: the people whose interests it was created to protect are frustrated and disappointed, and are receiving no effective relief. Perhaps this is why it even stated that it would have no objection to the institution being abolished.

The Supreme Court also stated that the time has come for all states to consider reconstituting RERA. It is doubtful that this will be possible without clear direction from the court. It would be appropriate for the central government to ensure that all state RERAs function properly, as all of them are deeply flawed. In many cases, RERA has been found to protect builders who were clearly reneging on promises to flat buyers. If millions of projects across the country remain stalled despite RERA's existence, it suggests something deeply wrong. It wasn't long ago that the Supreme Court revealed that builders in several cities, including Delhi-NCR, had colluded with banks to defraud millions of flat buyers. This fraud was perpetrated through a subvention scheme.

Under the subvention scheme, the approved funds for a project were transferred directly to the builders' accounts. They were required to pay EMIs until the flats were delivered to homebuyers. However, in many cases, builders stopped paying EMIs before the flats were ready. Consequently, banks began demanding the remaining EMIs from flat buyers. This can only be described as injustice and injustice.

Lok Sabha Speaker Birla has been embroiled in controversies

Even after being elected Speaker for a second term in June 2024, Om Birla was accused of not allowing opposition MPs to speak. Opposition parties have continued to accuse him of acting at the behest of the ruling party, even though the Speaker's position is a constitutional position. In June 2024, when Leader of the Opposition Rahul Gandhi stood up to speak on the issue of NEET exams, he was heard asking Speaker Om Birla to turn the microphone on. Congress alleged that the voices of the youth were being suppressed by taking away the microphone on important issues. However, Om Birla stated that he does not turn off the microphone in the Lok Sabha; there are no buttons. This is not the first time tension has been witnessed between the opposition and Om Birla. Birla has been embroiled in controversies before… The dignity of Parliament continues to decline in the country. The dignified and constitutional position of the Speaker of the Lok Sabha remains controversial. Almost the entire opposition is mobilizing against Lok Sabha Speaker Om Birla. The opposition has long accused Birla of bias. Opposition members have consistently accused him of violating Speaker Birla's constitutional rights and openly lobbying for the ruling party. This is the issue again. The opposition has filed a notice of no-confidence motion to remove Lok Sabha Speaker Om Birla from his post. Although, based on mathematics and history, removing him is extremely difficult, this move could further escalate the bitterness between the ruling party and the opposition in Parliament in the coming days. Prime Minister Narendra Modi was scheduled to address the House during the discussion on the President's address. Lok Sabha Speaker Om Birla claimed that Prime Minister Modi did not attend the House at his request. Om Birla stated that he had received credible information that several members of the Congress party could have reached the Prime Minister's seat and caused an unexpected incident. If this had happened, it would have been extremely unpleasant and would have shattered the country's democratic traditions. Om Birla's claim drew sharp reactions from the opposition, with Congress MP Priyanka Gandhi stating that it was completely false and there was no question of harming the Prime Minister. Even after being elected Speaker of the Lok Sabha for the second time in June 2024, Om Birla was accused of not giving opposition MPs a chance to speak. Opposition parties have continued to accuse him of acting at the behest of the ruling party, even though the Speaker's position is a constitutional position. In June 2024, when Leader of the Opposition Rahul Gandhi stood up to speak on the issue of NEET exams, he was heard asking Speaker Om Birla to turn the microphone on. The Congress alleged that the voices of the youth were being suppressed by taking away the microphone on important issues. However, Om Birla stated that he does not turn off the microphone in the Lok Sabha; there are no buttons here. This is not the first time tension has been witnessed between the opposition and Om Birla. Previously, Om Birla has been embroiled in controversies, with the opposition accusing him of leaning towards the ruling party. During the 2023 Winter Session of Parliament, 141 MPs were suspended, including 95 Lok Sabha and 46 Rajya Sabha MPs. Such a large number of MPs had never been suspended before. This suspension was described as unprecedented. Previously, on March 15, 1989, 63 MPs were expelled from the Lok Sabha. The suspensions were initiated after MPs demanded a statement from Home Minister Amit Shah in the presence of Prime Minister Narendra Modi regarding the security lapse in Parliament. The Indian Constitution protects the Speaker's position so that they can function without fear or favor. The process for their removal under Article 94 is as follows: Written notice must be given at least 14 days before the motion is introduced. Removal of the Speaker requires a majority of the total number of members in the House at that time, i.e., the support of more than 50 percent of the members currently in office. The Speaker cannot preside over the House while the motion is being discussed, although they can be present and cast a vote. Article 96 of the Constitution also grants the Speaker the right to defend themselves. In the history of independent India, there have been very few occasions when a no-confidence motion has been brought against the Speaker of the Lok Sabha, but whenever it has been brought, the opposition has shaken parliamentary politics. The first no-confidence motion was brought against India's first Lok Sabha Speaker, G.V. Mavalankar, on December 18, 1954. It was introduced by Vigneshwar Mishra and other opposition leaders. That was during the Nehruvian era, and the opposition argued that the Speaker was acting under the influence of the government. However, after a heated debate, the motion was defeated, and Mavalankar remained in his post. During the third Lok Sabha, Speaker Hukum Singh was also accused of bias. This motion was brought by socialist leader Madhu Limaye. That period was politically turbulent. The opposition questioned his impartiality, but due to lack of numbers, the motion failed to succeed. During the eighth Lok Sabha, an attempt was also made to bring a no-confidence motion against Balram Jakhar. It was introduced by CPM MP Somnath Chatterjee. At that time, there was a major deadlock in the House over issues like Bofors. But with Congress's overwhelming majority, this opposition effort remained merely a symbolic protest. Often, the opposition moves such resolutions merely to register its displeasure and draw public attention. The Speaker always belongs to the ruling party or coalition that holds the majority. As long as the government has the numbers, removing the Speaker is virtually impossible. It is also sad that India has not developed the same good traditions as Britain regarding the Speaker of the Lok Sabha. In Britain, when a person is elected Speaker of the House of Commons, he or she resigns from his or her party. Another tradition is that such a person is repeatedly elected Speaker. Third, as Speaker, he or she is considered a representative of both the ruling party and the opposition. Usually, a person who is recognized for his or her impartiality is appointed Speaker. For these reasons, the parliamentary system in Britain is considered successful. We adopted the parliamentary system from there, but did not imitate its good traditions. If similar traditions were developed in India, or rules and regulations were enacted in this regard, then this position would certainly not be a subject of controversy, and the parliamentary system could be successful in India as well. In such a situation, the opposition's complaints about the Speaker would also decrease.

Opposition's unnecessary objection to the India-US trade agreement

Following changes to the US document, the opposition, especially the Congress, is raising unnecessary objections to the India-US interim trade agreement. The US removed "intention" to purchase $500 billion government of "selling Mother The agreement should wait for based on mutual interests. Pulses document. India's "intention" to Gandhi accused the government of changes made by the US to its agreement with India only statement should be given priority in document is that the US removed products. Furthermore, it clarified worth of goods from the US. Earlier,

pulses from the list and clarified India's in goods. Rahul Gandhi accused the India," while the article calls this exaggeration. signing in March, as bilateral agreements are were removed from the list in the US purchase $500 billion in goods is clear. Rahul "selling Mother India." The two major document regarding the interim trade strengthened India's position that the joint this agreement. One change in the US pulses from the list of food and agricultural that India intends to purchase $500 billion this document stated that India was promising to purchase goods worth $500 billion from the US. It's clear that there's a difference between promises and intentions. Even then, it's doubtful that those unreasonably and exaggeratedly opposing the trade agreement reached with the US will remain silent. Some farmers' organizations and opposition political parties have already taken up the protest banner, with Congress at the forefront as usual. Yesterday, in the Lok Sabha, Rahul Gandhi attacked the government over the trade agreement, saying it had sold out Mother India and completely surrendered to the US. He also accused the government of compromising both farmers' interests and the country's energy security, even though farmers' interests are protected and it's not yet clear whether India will completely stop purchasing oil from Russia. The changes to the US document make it even more necessary to wait for the signing of the interim trade agreement next month, in March, as only then will the picture become clearer. However, it's clear that leaders like Rahul Gandhi, who oppose for the sake of opposition, won't rest easy. They will continue to propagate that India has surrendered to America. That's exactly what they did yesterday. They accused the government and then walked out of the House. They didn't even bother to listen to the government's statement regarding their allegations. This suggests that they believe that whatever they say on any issue should be accepted as the ultimate truth. Undoubtedly, there are some points in the joint statement issued regarding the trade agreement with the US that deserve clarification and debate. However, if anyone concludes that a trade agreement with any country is completely tilted in India's favor, that's impossible. Bilateral agreements are based on mutual exchanges. The countries concerned must protect their own interests while being mindful of each other's interests. India has done just that.

अभिनेत्री अमीषा पटेल के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी, समन के बाद भी कोर्ट में नहीं हुई हाजिर

फिल्म अभिनेत्री अमीषा पटेल के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। वह समन भेजने के बावजूद कोर्ट में हाजिर अभिनेत्री पर 2017 में कार्यक्रम के नाम पर लेने के बाद भी नहीं फिल्म अभिनेत्री खिलाफ गैर जमानती वह समन भेजने के हाजिर नहीं हो रही थी। में शादी समारोह में 14.50 लाख रुपये आने का आरोप है। आयोजक पवन वर्मा ने कोर्ट में मुकदमा दाखिल किया था डबल फाटक निवासी एक इवेंट कंपनी के मालिक पवन वर्मा ने बताया कि 16 नवंबर 2017 को आयुष अग्रवाल की शादी में अमीषा पटेल को बुलाया गया था। उन्होंने 14.50 लाख रुपये का अग्रिम भुगतान किया था। शहर के दिल्ली रोड होलीडे रीजेंसी होटल में ठहरने और भोजन की व्यवस्था भी की थी।फिर भी अभिनेत्री अमीषा पटेल मुंबई से मुरादाबाद नहीं पहुंचीं। बातचीत करने पर उन्होंने पूरी राशि वापस करने का वादा किया था। इस बीच अभिनेत्री की तरफ से 10 लाख रुपये नकद और 4.50 लाख रुपये का चेक दिया गया लेकिन यह बाउंस हो गया था। इस मामले में पवन वर्मा ने कोर्ट में मुकदमा दायर किया। इस मामले में अतिरिक्त सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कोर्ट ने अमीषा पटेल को उपस्थित होने के लिए कई बार समन भेजा था लेकिन वह हाजिर नहीं हुई। अब कोर्ट ने कोर्ट में हाजिर होने के लिए गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है। पवन वर्मा का कहना कि अमीषा पटेल न्याय से बचने का प्रयास कर रही हैं। अमीषा ने पूरी राशि लौटा दी है-अमीषा पटेल के अधिवक्ता अभिषेक शर्मा का कहना कि यह 2017 का पुराना विवाद है। समझौते के बाद अभिनेत्री ने पूरा पैसा वापस लौटा दिया था। पवन वर्मा केस का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि अमीषा पटेल शीघ्र ही कोर्ट में पेश होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करेंगी।

नहीं हो रही थी। शादी समारोह में 14.50 लाख रुपये आने का आरोप है। अमीषा पटेल के वारंट जारी किया है। बावजूद कोर्ट में अभिनेत्री पर 2017 कार्यक्रम के नाम पर लेने के बाद भी नहीं

साथी ने पकड़े सास के हाथ, मैंने मारी गोली, कातिल दामाद का चौंकाने वाला कबूलनामा; बताया किस कारण मारा?

मुरादाबाद में सास रुखसाना की हत्या के आरोप में पुलिस ने दामाद को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि साथी ने सास का हाथ पकड़ा था और मैंने गोली मारी थी। मुरादाबाद की मझोला पुलिस ने सास की हत्या के आरोपी दामाद को शनिवार की रात जीरो प्वाइंट से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ के दौरान बताया कि सास उसे गालियां दे रही थी। गुस्सा आने पर उसके साथी मुस्तफा ने सास का हाथ पकड़ा और उसने तमंचा निकालकर सास को गोली मार दी। सास की मौत होने पर वह घबराकर भाग निकला। मझोला थाना क्षेत्र के जयंतीपुर मंसूरी कॉलोनी सफेद कोठी निवासी ई रिक्शा चालक शकील पत्नी रुकसाना , तीन बेटियों और चार बेटों के साथ किराए के मकान में रहती है। बड़ी बेटी साहिबा के साथ ससुराल से मायके में आ गई थी।इसी कारण पति गुलनबाज उसे लेने के लिए आया था। 12 फरवरी को दामाद गुलनबाज अपने दोस्त मुस्तफा के साथ जा रहा था। इस दौरान सास ने नशेड़ी कहते हुए अपने दामाद को रोकने की कोशिश की। इसी बात से गुस्साए दामाद ने सास की गोली मारकर हत्या कर दी।इस मामले में साहिबा की तहरीर पर पुलिस ने दामाद गुलनबाज और उसके साथी मुस्तफा के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट कर ली। पुलिस ने घटना के बाद कटघर थाना क्षेत्र के गली नंबर चार मोती वाली मस्जिद निवासी मुस्तफा को गिरफ्तार कर लिया लेकिन मुख्य आरोपी दामाद मौके से भाग निकला।सास की गालियां सुनकर गुलनवाज आपे से हुआ था बाहर मुख्य आरोपी गुलनबाज को पकड़ने के लिए एसएसपी सतपाल अंतिल ने थाना प्रभारी मझोला रवींद्र कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित की। टीम ने शनिवार की रात जीरो प्वाइंट पाकबड़ा में आरोपी दामाद पंडित नगला निवासी गुलनवाज (26) को धर दबोचा। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त देशी तमंचा 12 बोर व एक खोखा कारतूस बरामद किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी लगभग पांच वर्ष पहले शाहिबा के साथ हुई थी। घरेलू विवाद होने के कारण पत्नी अपने मायके में रहने लगी थी। वह अपने मित्र मुस्तफा के साथ पत्नी को लाने के लिए जयंतीपुर स्थित ससुराल गया था। जहां उसकी सास रुखसाना गाली देने लगी। उस समय साली, दो साला भी मौके पर मौजूद थे।सास की गालियां सुनकर उसका दोस्त भी नाराज हो गया। इस दौरान दोस्त ने सास का हाथ पकड़ा और उसने तमंचे से गले को लक्ष्य कर गोली चला दी। सास की घटनास्थल पर मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को अदालत के समक्ष पेश किया। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेज दिया।यह था पूरा मामला- मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के जयंतीपुर टीचर कॉलोनी में बृहस्पतिवार की रात आठ बजे नशेड़ी कहने पर एक युवक ने अपनी सास की गर्दन में गोली मार कर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी दामाद गुलनवाज तमंचा लहराते हुए अपने साथी मुस्तफा के साथ भाग गया था। पुलिस ने मुस्तफा को गिरफ्तार कर लिया था।रुखसाना के गले के पास फंसी मिली गोली- मझोला थाने की पुलिस ने शुक्रवार को रुखसाना (40) के शव का पोस्टमार्टम कराया। डॉक्टर के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। इससे पहले शव का एक्सरे कराया गया। इस दौरान वीडियो ग्राफी और फोटो ग्राफी कराई गई। गोली गर्दन के पास दायी ओर फंसी मिली।

कबाड़ी से वसूली में संभल एसओजी की पूरी टीम निलंबित, काम में भी फिसड्डी हैं भ्रष्ट कर्मी, जांच शुरू

इसमें प्रभारी समेत आठ पुलिसकर्मी शामिल हैं। कबाड़ी से 30 हजार रुपये वसूलने और उसका कबाड़ा रोकने का आरोप लगा है। एसपी ने शिकायत के आधार पर संभल के सीओ आलोक कुमार भाटी से जांच कराई। जांच में मामला सही पाया गया।एसओजी की पूरी टीम को एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने निलंबित कर दिया है। इसमें प्रभारी समेत आठ पुलिसकर्मी शामिल हैं। कबाड़ी से 30 हजार रुपये वसूलने और उसका कबाड़ा रोकने का आरोप लगा है। एसपी ने शिकायत के आधार पर संभल के सीओ आलोक कुमार भाटी से जांच कराई। जांच में मामला सही पाया गया।इसी क्रम में रविवार को निलंबन की कार्रवाई की गई है। एसओजी का प्रभारी एसपी ने बोबिंद्र शर्मा को बनाया है। मुरादाबाद के बिलारी निवासी कबाड़ी जफरूद्दीन अपने बेटे आस मोहम्मद के साथ 2 फरवरी की रात करीब 9 बजे मोबाइल की प्लेट का कबाड़ा लेकर संभल के लाडम सराय की ओर जा रहे थे।इसी दौरान एसओजी की टीम ने कबाड़ी पिता-पुत्र की बाइक को रोक लिया और संभल कोतवाली क्षेत्र की पुलिस चौकी चौधरी सराय ले आए। बिचौलियों के हस्तक्षेप के बाद मामला निपटाया गया। आरोप है कि कबाड़ी पिता-पुत्र को छोड़ने के एवज में 30 हजार रुपये वसूले गए। साथ ही मोबाइल की प्लेट गलाकर जो धातु निकलती है उसको टीम ने अपने पास रोक लिया। रात के समय कबाड़ी पिता-पुत्र चले गए लेकिन 3 फरवरी को टीम से संपर्क किया और धातु लौटाने की बात कही। आरोप है कि टीम ने धातु से भरा कट्टा लौटाने की एवज में भी 40 हजार रुपये मांगे, जबकि कट्टे में 40 ही हजार रुपये की धातु थी। इसके बाद ही शिकायत एसपी तक पहुंची। जांच कराने पर मामला सही पाया गया और कार्रवाई की गई है। एसपी ने बताया कि प्राथमिक जांच पड़ताल में शिकायत सही पाई गई है। इसके चलते ही प्रभारी एसआई मोहित चौधरी, हेड कांस्टेबल कुलवंत, अरशद, कांस्टेबल अजनबी, आयुष, विवेक, बृजेश और हिरेश को निलंबित कर दिया है। एसपी ने बताया कि एसओजी प्रभारी बोबिंद्र शर्मा को बनाया गया है।कई बड़े मामलों में नाकाम रही थी निलंबित हुई एसओजी टीम- जुनावई थाना क्षेत्र में भाजपा नेता गुलफाम सिंह की हत्या का मुख्य आरोपी भी एसओजी टीम की गिरफ्त में नहीं आया था। बदायूं की कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। इसी तरह धनारी थाना क्षेत्र में दो भाइयों की हत्या का आरोपी लंबे समय तक फरार रहा और बाद में कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। इसी तरह कैलादेवी थाना क्षेत्र में सात वर्ष की बच्ची के लापता होने के बाद भी टीम सुराग नहीं लगा सकी थी। जबकि थाना पुलिस के लिए एसओजी की अहम भूमिका रहती है। लेकिन निलंबित हुई एसओजी की टीम कई बड़े मामलों में नाकाम रही थी।

संक्षिप्त समाचार

फारुख हत्याकांड: रामपुर में साथी की हत्या से वकीलों में भारी आक्रोश, एसपी ने सिविल लाइंस के थानेदार को हटाया

साथी की हत्या से भड़के वकील हड़ताल पर चले गए हैं। उन्होंने सोमवार को पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस बीच एसपी ने सिविल लाइंस के थानेदार को हटा दिया है। साथी फारुख अहमद की जिला पंचायत दफ्तर में हत्या के खिलाफ अधिवक्ताओं का गुस्सा थम नहीं रहा है। आक्रोशित अधिवक्ता सोमवार को भी हड़ताल पर हैं। बार की ओर से पूर्व घोषित हाईवे पर जाम लगाने के मुद्दे पर पहले बैठक करके मंथन होगा। बैठक में तय होगा कि जाम लगाया जाए या नहीं।इस बीच एसपी विद्यासागर मिश्र ने सिविल लाइंस के थानेदार संजीव कुमार को हटा कर स्वार थाने का प्रभारी बनाया है। अधिवक्ता फारुख अहमद की हत्या के बाद से वकील आंदोलित हैं। पिछले तीन दिन से लगातार हड़ताल की जा रही है। शुक्रवार को भी वकीलों ने आंबेडकर पार्क के सामने जाम लगाकर छह घंटे तक धरना दिया था।धरने के दौरान तहरीर के मुताबिक सभी आरोपियों की गिरफ्तारी, मुख्य आरोपी जिला पंचायत कर्मी असगर अली की संपत्ति की जांच, इंस्पेक्टर सिविल लाइंस पर कार्रवाई की मांग उठाई थी। साथ ही जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी को सह आरोपी बताते हुए गिरफ्तारी की मांग और पीड़ित परिवार को पांच करोड़ रुपये की आर्थिक मदद पर जोर दिया था। धरने के दौरान इंस्पेक्टर सिविल लाइंस के खिलाफ कार्रवाई न होने पर सोमवार को हाईवे के जीरो प्वाइंट पर धरना देकर प्रदर्शन करने की घोषणा की गई थी। अब अधिवक्ताओं ने सोमवार को भी हड़ताल पर रहने का एलान किया है। कहा है कि सभी मांगें पूरी नहीं हुईं आंदोलन तेज किया जाएगा। बार की ओर से सोमवार की सुबह मीटिंग की जाएगी, जिसमें हाईवे पर जाम लगाने या न लगाने के मुद्दे पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। आगामी आंदोलन पर भी विचार किया जाएगा।बरेली जाकर एडीजी से भी मिले थे वकील- सिविल लाइंस इंस्पेक्टर के खिलाफ कार्रवाई कराने समेत अन्य मांगों को लेकर अधिवक्ताओं का शिष्टमंडल एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा से भी मिल चुका है। अधिवक्ताओं ने बताया कि

वहां से आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया गया है। आरोपी जिला पंचायत कर्मी को जेल भेज चुकी है पुलिस- इस मामले में आरोपी जिला पंचायत कर्मी असगर अली को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया था। उसका मुरादाबाद में इलाज चल रहा था। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया था। अब जेल के अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। अधिवक्ता फारुख अहमद की हत्या के मामले में अभी कई मांगें पूरी नहीं हुई हैं। लिहाजा सोमवार को भी वकील हड़ताल पर रहेंगे। बार की ओर से मीटिंग बुलाई गई है। इस मीटिंग में तय होगा कि हाईवे पर जाम लगाया जाए या नहीं। इस मीटिंग में आगे की रणनीति भी तय होगी। - राजेंद्र प्रसाद लोधी, अध्यक्ष बार एसोसिएशनतबादले से वकीलों का गुस्सा कम करने की कोशिश अधिवक्ता फारुख अहमद की हत्या के बाद वकीलों के निशाने पर आए सिविल लाइंस थाने के प्रभारी संजीव कुमार को हटा दिया गया है। उन्हें अब स्वार कोतवाली की जिम्मेदारी दी गई है। माना जा रहा है कि इस कार्रवाई से अधिवक्ताओं का गुस्सा कम करने की कोशिश की गई है। रविवार की शाम एसपी विद्या सागर मिश्र ने सिविल लाइंस के कोतवाल संजीव कुमार को हटा दिया। एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि संजीव कुमार को अब स्वार का कोतवाल बनाया गया है। उनके स्थान पर शहर कोतवाली में तैनात ओमकार सिंह को सिविल लाइंस थाने की कमान दी गई है। इसके अलावा बिलासपुर से हटाए गए कोतवाल प्रदीप मलिक को शहर कोतवाल बनाया गया है।

मुरादाबाद मंडल में शराब की दुकानों पर ओवररेटिंग का खेल, गोपनीय जांच में खुलासा, अफसरों से जवाब तलब

मुरादाबाद, अमरोहा, रामपुर और संभल से देसी शराब को ओपररेटिंग पर बेचे जाने की शिकायत पर शासन स्तर से गोपनीय जांच कराई गई। इसमें बड़ा खुलासा हुआ है। अफसरों को जांच के दौरान पता चला कि तय कीमतों से ज्यादा की वसूली की जा रही है। जवाब तलब किया गया है। मुरादाबाद में देसी शराब पर अधिक संभल से लगातार मिलने वाली शिकायतों के बाद जब लखनऊ पकड़ी गई।इससे साफ है कि लंबे समय से यह खेल चल रहा था बाद आबकारी आयुक्त डॉ.आदर्श सिंह ने मुरादाबाद प्रभार के है।विभाग में भी हड़कंप- इस रिपोर्ट के बाद विभाग में भी किए गए पत्र में कहा गया है कि मुरादाबाद-प्रभार के अंतर्गत शासन ने गोपनीय रूप से मुरादाबाद, अमरोहा और संभल में थी। जिसमें तय कीमत से अधिक पर शराब की बिक्री पाई गई ने 15 दुकानों पर जाकर जांच की थी। हैलेट रोड कपूर कंपनी की रुपए एमआरपी वाली टेट्रा पैक 100 रुपये में बेची जा रही थी। संभल-अमरोहा में ओवर रेटिंग- वहीं मुरादाबाद में बंगला गांव, चक्कर की मिलक, हैलेट रोड, आदर्श कालोनी, मंडी समिति, बिलारी में रुस्तमपुर सहसपुर, महाजनान बिलारी, राजा का सहसपुर बिलारी। अमरोहा में रायपुर, जोया, सब्जी मंडी धनौरा। संभल में बहजोई अड्डा, रसूलपुर ब्लाक रजपुरा, केसरपुर ब्लाक रजपुरा और ब्यौरा ब्लाक रजपुरा में जांच की गई। सभी जगह पांच से 10 रुपये की ओवररेटिंग पकड़ी गई है। हालांकि जब जांच हुई तो पता लेकिन इससे साफ है कि लंबे समय से देसी शराब पर अधिक मूल्य वसूला जा रहा है। मेरी जानकारी में नहीं इस तरह की कोई जानकारी मेरे संज्ञान में नहीं है, यदि ऐसी कोई बात सामने आती है तो कार्रवाई की जाएगी, फिलहाल अभी ऐसा कुछ नहीं है। - आरपी सिंह, जिला आबकारी अधिकारी, मुरादाबाद।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जल्द खुलेंगे रामायण वाटिका और रुद्रावनम के द्वार, सीएम योगी कर सकते हैं लोकार्पण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फरवरी के अंत में बीडीए (बरेली विकास प्राधिकरण) की दो महत्वाकांक्षी परियोजनाओं रामायण वाटिका और रुद्रावनम का लोकार्पण कर सकते हैं। उनके संभावित दौरे को लेकर शहर में हलचल तेज हो गई है। बीडीए सहित प्रशासनिक अमला इसकी तैयारियों में जुट गया है। इससे पहले दिसंबर 2025 में भी मुख्यमंत्री के दौरे की चर्चा थी, लेकिन व्यस्तता के कारण और इन परियोजनाओं के लोकार्पण मुख्यमंत्री एक निजी कार्यक्रम में शामिल होकर लौट गए थे। बीडीए के अनुसार, आठ करोड़ रुपये की लागत से तैयार रामायण वाटिका उत्तर भारत की पहली ऐसी परियोजना है, जहां रामायण काल को जीवंत करने का प्रयास किया गया है। यह केवल एक मनोरंजन पार्क नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना का केंद्र भी है। भगवान राम के वनगमन से जुड़े प्रसंगों को चौपाइयों और कलाकृतियों के जरिये दर्शाया गया है। वाटिका में लगी श्रीराम की 51 फुट ऊंची प्रतिमा पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए जापानी मियावाकी तकनीक से सघन वन क्षेत्र विकसित किया गया है। एक विशेष पैदल पथ तैयार किया गया है, जिसके दोनों ओर उन औषधीय पौधों को लगाया गया है, जिनका वर्णन रामायण में मिलता है। रामगंगानगर स्थित रामायण वाटिका में भगवान श्रीराम की 51 फुट ऊंची प्रतिमा लगी है, जो आकर्षण का केंद्र है। रामायण वाटिका के साथ ही रुद्रावनम पार्क भी बनकर तैयार है। बीडीए ने यहां अत्याधुनिक लैंडस्केपिंग, आकर्षक वाटर बॉडीज और विशाल हरित क्षेत्र विकसित किया है। औपचारिक लोकार्पण के बाद शहरवासियों के लिए प्रकृति के करीब रहने का यह नया ठिकाना बनेगा। विभाग के स्तर से तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। शासन से हरी झंडी मिलते ही कार्यक्रम की तिथि घोषित कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री के इस संभावित दौरे में कई अन्य विकास परियोजनाओं की भी सौगात मिल सकती है। फिलहाल, प्रशासनिक अमला अलर्ट मोड पर है और शहर को सजाने-संवारने का काम जारी है।

मुठभेड़ में डकैती के चार आरोपी गिरफ्तार, दो के पैर में लगी गोली, दरोगा-सिपाही भी हुए घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली के भोजीपुरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने रविवार की रात मुठभेड़ के दौरान चार बदमाशों को गिरफ्तार किया। इनमें दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है। मुठभेड़ में दरोगा और सिपाही भी घायल हुए हैं। घायल बदमाशों को और दरोगा-सिपाही सीएचसी भोजीपुरा भेजा गया। पुलिस के मुताबिक 12 पकड़े गए बदमाशों ने फरवरी की रात धौराटांडा कस्बा में राइस मिलर रिहान के घर में डकैती की थी। घटना के बाद भागते समय बदमाशों का एक साथी छत से कूदा था, जिसके दोनों पैर टूट गए थे। उसे मौके पर ही लोगों ने पकड़ लिया था। थाना प्रभारी भोजीपुरा के मुताबिक वह रविवार रात पुलिस बल के साथ इलाके में गश्त व वांछित अभियुक्तों की तलाश में चेकिंग कर रहे थे। रात में करीब 01:40 बजे गांव मसीत से महेशपुर शिवसिंह मार्ग पर एक पिकअप वाहन संदिग्ध अवस्था में मिला, जिसकी नंबर प्लेट कपड़े से ढकी थी। पुलिस टीम ने रोकने का प्रयास किया तो चालक ने वाहन तेज गति से भगाया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। खुद को घिरता देख वाहन में सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जिससे दरोगा रुक्मेश सिंह व सिपाही संजय सागर घायल हो गए। डकैती के मामले में वांछित थे बदमाश पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। साथ ही दो और बदमाशों को मौके से पकड़ लिया गया। पुलिस के मुताबिक इन बदमाशों ने धौराटांडा में राइस मिलकर के यहां डकैती डाली थी। पूछताछ में यह भी पता लगा है कि गोली लगने से घायल बदमाश अकरम और आसिफ हरदोई के थाना शाहाबाद क्षेत्र में भी डकैती का वारदात को अंजाम दे चुके हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

7 साल की मासूम इरम हाई वोल्टेज करंट से झुलसी, हालत गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच / मुरादाबाद के थाना डिलारी क्षेत्र के गांव सलेम सराय में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। शेर मोहम्मद की सात वर्षीय धेवती इरम छत पर खेल रही थी, तभी घर की छत के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्टेज की बिजली लाइन की चपेट में आ गई। करंट लगने से बच्ची गंभीर रूप से झुलस गई। घटना के बाद परिजन तुरंत इरम को नजदीकी डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे, जहां काफी मशक्कत के बाद उसकी जान बचाई जा सकी। फिलहाल बच्ची की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसका उपचार जारी है। परिजनों का आरोप है कि हाई वोल्टेज बिजली लाइन घर की छत के बेहद करीब से गुजर रही है, जिससे पहले भी खतरा बना हुआ था। उन्होंने प्रशासन और बिजली विभाग से कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि ऐसी लापरवाही से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। मामले में परिजनों ने शिकायत दर्ज करते हुए लाइन हटवाने की मांग की है

थाना डिलारी पुलिस ने मृत गौवंश को जेसीबी की मदद से दफनाया

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी। जनपद मुरादाबाद के थाना डिलारी क्षेत्र के गांव रहता माफी पुल के पास एक मृत गाय को प्रशासन की मौजूदगी में जेसीबी मशीन से मिट्टी में दबाकर सुरक्षित रूप से निस्तारित किया गया। मौके पर उप निरीक्षक आदित्य कुमार और कॉस्टेबल अंकित चौहान मौजूद रहे। पुलिस टीम ने स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए स्वास्थ्य और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए मृत गौवंश को नियमानुसार दफन कराया, ताकि किसी प्रकार की दुर्गंध या संक्रमण का खतरा न रहे। इस दौरान क्षेत्र में शांति व्यवस्था भी बनाए रखी गई। पुलिस की त्वरित कार्रवाई की ग्रामीणों ने सराहना की।

बोर्ड परीक्षा के चलते एसआईआर के 13 सुनवाई केंद्र बदले

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बोर्ड परीक्षा के चलते एसआईआर के नोटिस की सुनवाई के लिए 13 केंद्रों का बदला गया है। डॉ सुशीला गिरीश की जगह रेडियंट पब्लिक स्कूल, गुलाब राय इंटर कॉलेज के स्थान पर जीआरएम, बीबीएल की जगह केडीएम, तिलक की जगह हाफिज सिद्दीकी पंजाबी हाई स्कूल, केपीआरसी की जगह प्राथमिक विद्यालय बांस मंडी द्वितीय, एमबी इंटर कॉलेज के स्थान पर सरस्वती विद्या मंदिर बृजलोक, सूरजभान कन्या इंटर कॉलेज की जगह सूरजभान विद्या भवन राजेंद्र नगर, रिखी सिंह के स्थान पर श्री गुरु हरकिशन पब्लिक स्कूल, क्रिएथिक्स स्कूल की जगह प्राथमिक विद्यालय कांकर टोला, पीसी आजाद की जगह क्रिएशन पब्लिक स्कूल आकांक्षा एनक्लेव, पंडित दीनानाथ मिश्रा के स्थान पर क्रिसेंट पब्लिक स्कूल जोगी नवादा, केंद्रीय विद्यालय आईवीआरआई की जगह जलकल विभाग पानी की टंकी गंगाशील अस्पताल के पास और सीबीगंज इंटर कॉलेज के स्थान पर कन्या पाठशाला जूनियर हाई स्कूल खलीलपुर को नवीन केंद्र बनाया गया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

बीडीए की महायोजना में 35 गांवों में मिलेंगी शहर जैसी सुविधाएं

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर की सीमा से सटे गांव अब बदलाव की दहलीज पर खड़े हैं। बरेली विकास प्राधिकरण ने 35 नए गांवों के लिए महायोजना तैयार करने के लिए मार्स एजेंसी का चयन कर विकास को रफ्तार दे दी है। तकनीकी परीक्षण और विस्तृत मूल्यांकन के बाद इस एजेंसी का चयन किया गया है। अधिकारियों के अनुसार चयनित एजेंसी शीघ्र ही विस्तारित महायोजना तैयार कर प्राधिकरण को सौंपेगी, जिससे इन गांवों में विकास कार्यों का रास्ता पूरी तरह साफ हो जाएगा। बीडीए के अधिकारियों का कहना है कि बीते वर्ष अपने अधिकार क्षेत्र को 264 से बढ़ाकर 299 गांवों तक विस्तारित करने का जो दूरदर्शी निर्णय लिया था, वह अब जमीनी हकीकत में बदलता दिखाई दे रहा है। 579 वर्ग किलोमीटर में फैले इस विस्तारित क्षेत्र के लिए महायोजना-2031 की तर्ज पर सुनियोजित खाका तैयार किया जाएगा, जिसमें आवासीय योजनाएं, चौड़ी और सुदृढ़ सीसी सड़कें, आधुनिक अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, वाणिज्यिक कॉम्प्लेक्स, पार्क, खेल मैदान और अन्य सार्वजनिक सुविधाएं शामिल होंगी। मुख्य अभियंता एपीन सिंह का कहना है कि शहर से सटे गांवों को शहरी सुविधाओं से जोड़ने की यह पहल न केवल आधारभूत ढांचे को मजबूत करेगी, बल्कि ग्रामीण और शहरी विकास के बीच की दूरी भी कम करेगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और संपत्तियों का व्यवस्थित मूल्यांकन संभव हो सकेगा। यही नहीं महायोजना लागू होने के साथ ही भू-उपयोग का स्पष्ट निर्धारण किया जाएगा, जिससे अवैध और अनियोजित निर्माण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो सकेगा। पहले से बने भवनों को कंपाउंडिंग शुल्क जमा कर नियमित कराने की सुविधा दी जाएगी, जबकि नए निर्माण के लिए मानचित्र स्वीकृति अनिवार्य होगी। दावा है कि यह कदम आने वाले वर्षों में बरेली के विस्तारित क्षेत्र को आधुनिक, सुरक्षित और समृद्ध पहचान दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। विस्तारित महायोजना में बदायूं रोड पर अखा, भोजपुर, चाढपुर, अखा मुस्तिकल, रफियाबाद, आलमपुर जाफराबाद, कोहनी परतापुर, कैमुआ, नवदिया, मजनूपुर, सरदार नगर, बदरई कुईया, वाहनपुर, मिलक मंशारामपुर, शाहजहांपुर रोड पर दहलऊ ई. जेढ़, जेड़, उदयपुर मोहनलाल, मकसूदनपुर, समोची ई. जेढ़, मेगीनगला, सराय पट्टी सब्दलपुर, रसुइया, गौसगंज सराय, खमरिया ई-जेढ़, नौगवां, सरकड़ा, नवदिहा देहा जब्ती, बाहनपुर, इनायतपुर, मटिया नगला गांव को विस्तारीकरण में लिया गया है। बीसलपुर रोड पर लवहरी, भगौतीपुर, कमुआ कला, नरोत्तम नगला व पीलीभीत बाईपास रोड स्थित भीकमपुर को शामिल किया गया है।

दूसरे समुदाय की छात्रा ने सहेली को नशा देकर भाई से कराया दुष्कर्म, जांच में जुटी पुलिस, आरोपी फरार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / नवाबगंज, बरेली। नवाबगंज क्षेत्र में दूसरे समुदाय की सहेली पर बहाने से घर ले जाने और उसके भाई पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाकर कक्षा 10 की छात्रा ने पुलिस से शिकायत की है। छात्रा का आरोप है कि अब आरोपी के परिजन उसका अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित किशोरी के पिता ने बताया कि उसकी बेटी के कॉलेज में रविवार को वार्षिकोत्सव था। बेटी इसमें शामिल होने गई थी। शाम तक लौटकर न आने पर उन्हें चिंता हुई। तलाश करने के दौरान पड़ोस के गांव में रहने वाली बेटी की सहेली का भाई बाइक पर बैठाकर उसे घर छोड़ गया। घर छोड़कर भाग गए आरोपी शिकायत मिलने के बाद पुलिस आरोपी युवक के साथ ही उसके परिजनों की तलाश कर रही है, मगर वह घर से फरार हो चुके हैं। थाना प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि जांच के आधार पर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बोर्ड परीक्षा के चलते एसआईआर के 13 सुनवाई केंद्र बदले

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बोर्ड परीक्षा के चलते एसआईआर के नोटिस की सुनवाई के लिए 13 केंद्रों का बदला गया है। डॉ सुशीला गिरीश की जगह रेडियंट पब्लिक स्कूल, गुलाब राय इंटर कॉलेज के स्थान पर जीआरएम, बीबीएल की जगह केडीएम, तिलक की जगह हाफिज सिद्दीकी पंजाबी हाई स्कूल, केपीआरसी की जगह प्राथमिक विद्यालय बांस मंडी द्वितीय, एमबी इंटर कॉलेज के स्थान पर सरस्वती विद्या मंदिर बृजलोक, सूरजभान कन्या इंटर कॉलेज की जगह सूरजभान विद्या भवन राजेंद्र नगर, रिखी सिंह के स्थान पर श्री गुरु हरकिशन पब्लिक स्कूल, क्रिएथिक्स स्कूल की जगह प्राथमिक विद्यालय कांकर टोला, पीसी आजाद की जगह क्रिएशन पब्लिक स्कूल आकांक्षा एनक्लेव, पंडित दीनानाथ मिश्रा के स्थान पर क्रिसेंट पब्लिक स्कूल जोगी नवादा, केंद्रीय विद्यालय आईवीआरआई की जगह जलकल विभाग पानी की टंकी गंगाशील अस्पताल के पास और सीबीगंज इंटर कॉलेज के स्थान पर कन्या पाठशाला जूनियर हाई स्कूल खलीलपुर को नवीन केंद्र बनाया गया है।

बरेली में शुरू होने जा रही विश्व प्रसिद्ध रामलीला, इसी माह की नवमी को पताका यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री रामलीला सभा नरसिहं मन्दिर बड़ी बमनपुरी में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की गयी, जिसमें उपाध्यक्ष महेश पंडित जी ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक रामलीला जो कि होली के अवसर पर संपूर्ण भारत में एकमात्र बरेली जिले में ही होती है। यह तुलसी दास जी द्वारा रचित विनय पत्रिका के आधार पर फाल्गुन शुक्ल पक्ष नवमी तिथि को शुरू होती है और चैत्र कृष्ण त्रयोदशी को रामलीला का समापन होता है। ब्रिटिश शासन काल सन् 1861 में शुरू हुई यह रामलीला तब से निरंतर होती चली आ रही है। जिसे सन 2008 में यूनेस्को द्वारा वर्ल्ड हेरिटेज की सूची में शामिल किया गया और सन 2015 में विश्व धरोहर घोषित किया। इस रामलीला की खास बात यह है कि इसके अलग-अलग प्रसंगों का मंचन अलग-अलग मोहल्लों में जैसे अगस्त मुनि लीला अगस्त मुनि आश्रम छोटी बमनपुरी में, केवट संवाद लीला साहूकारा में, मेघनाथ यज्ञ बमनपुरी में व लंका दहन मलूकपुर चौराहा पर होता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक रामलीला (166 वाँ वार्षिकोत्सव) का शुभारंभ 25 फ़रवरी 2026 को गणेश पूजन और पताका यात्रा से होगा और 15 मार्च 2026 को श्री राम राज्यभिषेक के साथ समापन होगा। आज प्रेसवार्ता के दौरान श्री रामलीला सभा ब्रह्मपुरी बरेली द्वारा रामलीला के 166 वें वार्षिकोत्सव कार्यक्रम की पत्रिका का विमोचन भी किया गया जिसके अनुसार ही रामलीला के कार्यक्रम किए जाएंगे। पत्रिका विमोचन के उपरांत अध्यक्ष राजू मिश्रा ने कहा कि यह रामलीला ऐतिहासिक धरोहर है जो हमारी संस्कृति और परम्परा का प्रतीक है, इस संस्कृति को संजोए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस साल प्रसिद्ध राम बारात 2 मार्च को होली से एक दिन पहले निकाली जाएगी, क्योंकि 3 को चंद्रग्रहण है। संरक्षक सर्वेश रस्तोगी ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को ने रामलीला को अनमोल मानते हुए और लोगों से इन्हें सुरक्षित और सम्भाल कर रखने के उद्देश्य से ही इस रामलीला को विश्व धरोहर घोषित करने का निर्णय लिया था। वरिष्ठ उपाध्यक्ष व प्रवक्ता विशाल मेहरोत्रा ने कहा कि इस रामलीला का इतिहास संपूर्ण विश्व मे अलग ही पहचान रखता है। हम इसके उसी प्राचीन इतिहास को संरक्षित रखने को कृत् संकल्प हैं। महामंत्री सुनील रस्तोगी ने कहा कि यह हमारी विरासत व संस्कृति है, अत: इसमें सभी को बढ़ चढ़कर सहयोग करना चाहिए। युवा अध्यक्ष गौरव सक्सेना ने बताया कि पूरे विश्व में इस ऐतिहासिक रामलीला के प्रति जागरूकता लायी जा सके इसी उद्देश्य से हमने पिछले 2 वर्ष पूर्व ही निदेशक, संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश शासन को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि इस प्रकार की लीलाओ में संस्कृति व रचनात्मकता का समावेश होता है। विविधताओं का देश भारत व उत्तर प्रदेश अपनी विभिन्न संस्कृतियों के लिए जाना जाता है। लिहाजा रामलीला के इतिहास को संग्रहित कर प्रचार प्रसार व संवर्धन करे, जिससे देश-विदेश के लोग इस विश्व विख्यात रामलीला (सांस्कृतिक धरोहर) की सर्वोत्कृष्ट कृतियों से सीधे तौर पर रूबरू हो सके। रामलीला प्रमुख विवेक शर्मा ने कहा कि इस ऐतिहासिक धरोहर को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है और यह विश्व स्तर पर भव्य रूप से जानी जाए इसके लिए हम सबको निरन्तर प्रयास करते रहना चाहिए। इसलिए पूरी कमेटी निरंतर रामलीला के भव्य आयोजन के लिए दिन रात मेहनत कर रही है। पत्रिका विमोचन में अध्यक्ष राजू मिश्रा के साथ-साथ महामंत्री दिनेश दद्दा, उपाध्यक्ष नीरज रस्तोगी, पार्षद संजीव रस्तोगी मुक्की, कोषाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, सहकोषाध्यक्ष नवीन शर्मा, सतेन्द्र पांडेय, सुरेश कटिहा, अखिलेश अग्रवाल, लवलीन कपूर, पंडित विनोद शर्मा, जितेन्द्र वार्ष्णेय, सोनू पाठक, प्रभाकर शर्मा, बॉबी रस्तोगी, मीडिया प्रभारी सचिन श्याम भारतीय व सह मीडिया प्रभारी कौशिक टण्डन उपस्थित रहे।

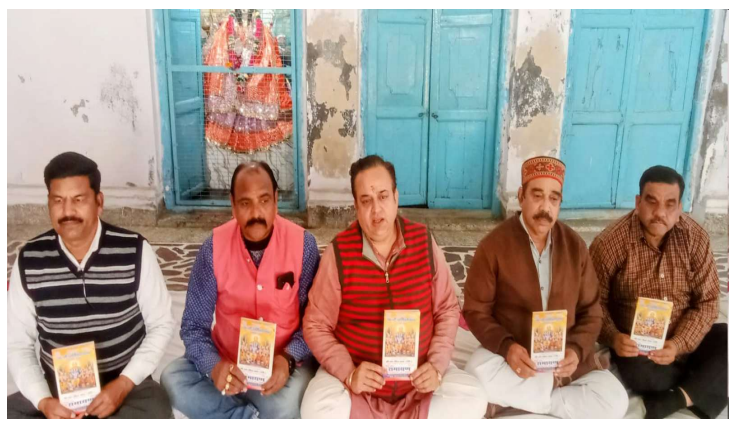

दावत से लौट रहे एक परिवार का ई-रिक्शा दुर्घटना का शिकार

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद फारूखाबाद. .अमृतपुर/ जनपद के राजेपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत इटावा-बरेली नेशनल हाईवे पर खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब दावत से लौट रहे एक परिवार का ई-रिक्शा दुर्घटना का शिकार हो गया। चाचूपुर के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली और ई-रिक्शा की भीषण टक्कर में पांच वर्षीय मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसके नाना-नानी समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दावत से लौटते समय हुआ हादसा। जानकारी के मुताबिक, अमृतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम करनपुर दत्त के रहने वाले देवी सहाय अपनी पत्नी शरणवन देवी, भाई रामनिवास और अपने 5 वर्षीय नाती आशीष (पुत्र पिंटू राजपूत) के साथ पट्टी भरखा स्थित अपनी ससुराल गए थे। वहां दावत खाने के बाद पूरा परिवार ई-रिक्शा से वापस अपने गांव लौट रहा था। ट्रैक्टर-ट्रॉली ने मारी टक्कर। वापसी के दौरान जब उनका ई-रिक्शा चाचूपुर के पास पहुंचा, तभी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में मासूम को मृत घोषित किया गया। राहगीरों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को तत्काल राजेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्ट।ष्ट) ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल लोहिया रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद 5 वर्षीय आशीष को मृत घोषित कर दिया। पुलिस कार्रवाई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। अन्य घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मृतक बच्चे के शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया है और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के साथ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

न्यायालय में लगा दिया है बम, दोपहर बाद होगा धमाका, अमरोहा जिला जज को ईमेल से मिली धमकी

अमरोहा जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला है। इसमें जज के चैंबर में आरडीएक्स लगाए जाने और दोपहर को ब्लास्ट करने की बात कही गई है। सूचना के बाद पुलिस-प्रशासन अलर्ट हो गया।पिछले दिनों यूपी की कई अदालतों को उडाने की धमकी के बाद सोमवार को अमरोहा जनपद न्यायालय को भी बम से उड़ाने की धमकी का ईमेल भेजा गया है। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद जिला जज ने बार एसोसिएशन जनपद अमरोहा के अध्यक्ष को भी इसकी जानकारी दी है।धमकी मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस पूरी तरह अलर्ट हो गई है। जनपद न्यायालय में चेकिंग शुरू कर दी गई है। डॉग स्क्वॉड के साथ बम निरोधक दस्ता सर्च ऑपरेशन चला रहा है। बार एसोसिएशन जनपद अमरोहा के अध्यक्ष सलीम खान एडवोकेट ने बताया कि अमरोहा जिला जज को एक ईमेल करीब 8ः38 पर मिला है।धमकी देने वालों ने स्पष्ट कहा है कि आपका कोर्ट में जज के चैंबर में 12 आरडीएक्स (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) लगाए गए हैं। तमिलनाडु में ईडब्ल्यूएस रिजर्वेशन लागू होने से रोकें। इसकी जिम्मेदारी लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम पाकिस्तान आईएसआई ने ली है। सोमवार की दोपहर 12ः15 बजे न्यायालय में ब्लास्ट होने की बात कही गई। जिला जज ने बार एसोसिएशन जनपद अमरोहा से न्यायालय परिसर की सुरक्षा के लिए सुरक्षा कर्मियों का सहयोग करने की अपील की है। मालूम रहे कि इससे पहले उत्तर प्रदेश के लखनऊ, वाराणसी, अयोध्या और मेरठ सहित कई जिलों में न्यायालयों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया ने बताया कि पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। डॉग स्क्वायड और बम पहचान एवं निरोधक दस्ते के साथ कचहरी परिसर और न्यायालयों में चेकिंग की जा रही है।

महाशिवरात्रि पर कुट्टू का आटा खाना से 100 से अधिक बीमार, अस्पताल में जगह पड़ी कमः लगाने पड़े अतिरिक्त बेड

शिवरात्रि पर व्रत खोलने के बाद लोगों ने कुट्टू के आटे के पकवान खाए। रात करीब 8 बजे के बाद लोगों की तबीयत खराब होने लगी। निवासियों ने बताया कि पहले हाथ-पैर सुन होने लगे। उसके बाद उल्टी-दस्त शुरू हो गए। पेट दर्द की समस्या भी रही। शुरूआत में लोगों ने ध्यान नहीं दिया और अस्पताल जाने लगे, लेकिन रात 12 बजे तक स्थित खराब हो गई। एक के बाद एक लोग सेक्टर-3 स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचे। बीमार होने वालों में बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं भी शामिल रहीं। कई परिवार ऐसे थे, जिनके 6 से 7 सदस्य बीमार थे। सभी को भर्ती कर अस्पताल में इलाज किया गया। सोमवार शाम तक कुछ लोगों को छुट्टी देकर घर भेज दिया गया, लेकिन कुछ का अभी भी अस्पताल में इलाज चल रहा है।जगह पड़ गई कम, लगाने पड़े अतिरिक्त बेड- बीमार होने के बाद लोग सेक्टर-3 स्थित न्यूमेड अस्पताल पहुंचने लगे, लेकिन कुछ ही देर में आपातकालीन वार्ड के सभी बेड भर गए। उसके बाद वार्ड के बाहर लॉबी में अतिरिक्त बेड लगाए गए, लेकिन लोगों का आना कम नहीं हुआ। कुछ लोगों को आसपास के अस्पताल भेजा गया। जबकि कुछ को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। न्यूमेड में 25 से अधिक लोग भर्ती रहे। सोमवार शाम तक कुछ को छुट्टी देकर घर भेज दिया गया।

1550 करोड़ का बजट फिर भी बदहाल एएमयू हॉस्टल, इमारतों पर उगी झाड़ियां और टपकती हैं छतें

आफताब हॉल में मॉरिसन कोर्ट हॉस्टल की अंदर और बाहरी दीवारें खराब हो चुकी हैं। मुमताज हाउस एक ऐतिहासिक इमारत है, जो घास की झाड़ियों में छिप गई हैं। गंदगी का अंबार है। डॉ. बीआर आंबेडकर हॉल की दीवारों से प्लास्टर उखड़ गया है। दीवार खराब है।देश-दुनिया में अलीगढ़ मुस्लिम पढ़े विद्यार्थियों को अलीग कहा जाता है। इनके बारे में नहीं है, क्योंकि दुनियाभर में अलीग फैले हैं। उन्हीं कागजों में करीब 1550 करोड़ रुपये का वार्षिक की झाड़ियों में यूनिवर्सिटी की ऐतिहासिक इमारतें बयां कर रही हैं। बारिश में छतों से बूंदें टपकती हैं। होने लगी हैं। हॉस्टल की खिड़कियां टूटी हैं। कमरों इनमें मॉरिसन कोर्ट हॉस्टल की अंदर और बाहरी ऐतिहासिक इमारत है, जो घास की झाड़ियों में छिप हॉल की दीवारों से प्लास्टर उखड़ गया है। कमरे में है। कमोबेश ऐसी हालत सभी हॉलों की है। इतने बड़े लिए मौजूदा बजट नाकाफी है। मौजूदा वार्षिक बजट करोड़ की जरूरत है। हर साल 2000 करोड़ रुपये मरम्मत करने की कवायद चल रही है।-प्रो. मोहम्मद हॉस्टल की हालत पहले जैसी नहीं है। हॉस्टल बदहाल की हालत ज्यादा ठीक नहीं है।-मोहम्मद सलमान दीवारें खराब हो गई हैं। रीडिंग रूम की खस्ता हालत है। शौचालय और स्नानघर खराब हैं। यहां पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था नहीं है।-सोनपाल, छात्र, एएमयू ये भी जानें 1875 में एमएओ कॉलेज की स्थापना 1920 में एएमयू की स्थापना 1155 एकड़ में कैंपस 20 रेजिडेंशियल हॉल 37113 छात्र-छात्राएं 13 संकाय 1678 एकेडमिक स्टॉफ- ये हैं हॉल- अब्दुल्ला हॉल, आफताब हॉल, अल्लामा इकबाल बोर्डिंग हाउस, मोहम्मद हबीब हॉल, हादी हसन हॉल, मोहसिनुल मुल्क हॉल, नदीम तरीन हॉल, इंदिरा गांधी हॉल, एनआरएससी हॉल, रॉस मसूद हॉल, सरोजिनी नायडू हॉल, सर सैयद हॉल, (उत्तर), सर सैयद हॉल (दक्षिण), सर शाह सुलेमान हॉल, विकारुल मुल्क हॉल, सर जियाउद्दीन हॉल, डॉ. बीआर आंबेडकर हॉल, बेगम सुल्तान जहां हॉल, बीबी फातिमा हॉल, बेगम अजीजुन निसा हॉल।

संक्षिप्त समाचार

सात साल के बच्चे से पड़ोसी युवक ने किया दुष्कर्म, नशीली चीज खिलाकर मारपीट, इस वजह से चली गई जान

मिलक में सात साल के बच्चे की मौत हो गई। परिजनों ने एक युवक पर दुष्कर्म करने और मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिलक में एक सात वर्षीय बच्चे की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह गांव के बाहर बेहोशी की हालत में मिला था। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके पिता ने गांव निवासी युवक पर बच्चे के साथ कुकर्म और मारपीट करने का आरोप लगाया है। घटना शनिवार की देर शाम क्षेत्र के उदयपुर जहांगीर की है। गांव निवासी एक व्यक्ति रात 10 बजे अपने सात वर्षीय पुत्र को लेकर नगर के सामुदायिक अस्पताल पहुंचा। जहां डॉक्टर ने बच्चे को देखते ही मृत घोषित कर दिया। बालक के पिता ने बताया कि उनका बेटा अपने घर के आगे सड़क पर खेल रहा था।तभी गांव निवासी एक युवक उसे बहला-फुसलाकर गांव के निकट जंगल में ले गया और उसे नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ मारपीट और कुकर्म किया। शाम छह बजे जब कुछ ग्रामीणों ने उसे देखा तो वह बेहोश अवस्था में पड़ा था। आनन-फानन परिजन उसे बेहोशी की हालत में शाहबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव को लेकर मिलक स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। सूचना पर पुलिस भी नगर के सरकारी अस्पताल पहुंच गई।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह ने बताया कि बच्चे की मौत का मामला प्रकाश में आया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

टला बड़ा हादसाः वाराणसी में दो नावों की टक्कर के बाद गंगा में समा गई एक नाव, बाल- बाल बचे पांच लोग

वाराणसी जिले में गंगा घाट पर बड़ा हादसा होने से बच गया। तुलसी घाट से नाव पर सवार होकर कुछ लोग गंगा उस पार स्नान करने जा रहे थे।इस दौरान बड़ी नाव की टक्कर के बाद छोटी नाव गंगा में समा गई। किसी तरह उसमें सवार लोगों को बचाया गया। वाराणसी जिले में तुलसी घाट के सामने सोमवार की दोपहर दो नावों में अचानक टक्कर हो गई। तेज आवाज के साथ एक नाव गंगा में डूबने लगी। आनन-फानन उसमें सवार लोगों को निकाला गया। देखते ही देखते नाव गंगा में समा गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर एनडीआरएफ और जल पुलिस की टीम पहुंची और लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। नाव पर मौजूद यात्रियों में दिलीप, दर्शना, देवयानी हैदराबाद निवासी, जबकि रोहित, दीपाली पुणे निवासी शामिल रहे। नाव पर मौजूद दिलीप ने बताया कि वह तुलसी घाट से नाव बुक कर उस पार गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। जैसे ही वह नाव में सवार होकर बढ़े, इतने में तेज रफ्तार से आ रही बड़ी नाव ने टक्कर मार दी। जिसके बाद सभी डूबने लगे। बताया कि किसी तरह नाव को पकड़कर अपनी जान बचाई। इस दौरान नाव पर कोई भी लाइफ जैकेट नहीं पहना था न ही नाव पर लाइफ जैकेट थी।घाट पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने मोबाइल में घटना को कैद कर लिया। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना जल पुलिस को दी। मौके पर पहुंची जल पुलिस ने डूब रहे पांच यात्रियों को बचाया। जबकि नाव पर मौजूद नाविक वहां से भाग गया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

ऐसे क्षतिग्रस्त कुओ से ग्रामीणो मे डर कभी भी हो सकती है जनहानि

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा, नटेरन, यह जमीन स्तर से लेवल है इसे पशुओं एवं बच्चों गिरने का डर हमेशा बना रहता है शासन प्रशासन के सख्त निर्देशों के बाद भी क्षतिग्रस्त कुआ एवं बोर आज भी बंद या व्यवस्थित नहीं करवाए गए हैं ,जिससे कभी भी जन हानी हो सकती है ऐसा ही यह कुआ ग्राम

बेलानारा तहसील नटेरन जिला विदिशा का चित्र है ग्राम बेलानारा 90त्न मजदूरों की बस्ती है आज की स्थिति में खेतों में फसल कटाई का काम लग गया है जिससे मजदूर खेतों में काम करने के लिए निकल जाते हैं एवं बच्चों को कई मजदूर घर पर अकेला ही छोड़ जाते हैं ऐसी स्थिति में बच्चों का एवं पशुओं का डर हमेशा बना रहता है शासन प्रशासन से अनुरोध ऐसे क्षतिग्रस्त कुआं अथवा बोर जहां भी खुले में है उन्हें बंद करवाया जाए जिससे आमजन की सुरक्षा पशुओं की सुरक्षा हो सके कई बार पशु एवं बच्चे गिरवी चुके हैं ऐसे खुले अव्यवस्थाओं के कुआ बंद करवाए जाएं।

परिवहन निगम ने यात्रियों को एक बड़ी राहत देते हुए प्रदूषण मुक्त यात्रा की दिशा में उठाया अहम कदम

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप /जनपद और कावड़ उत्तर प्रदेश फर्रुखाबाद परिवहन निगम ने यात्रियों को एक बड़ी राहत देते हुए प्रदूषण मुक्त यात्रा की दिशा में अहम कदम उठाया है। जिले में अब इलेक्ट्रिक बसों (अटल सेवा बस) का संचालन शुरू होने जा रहा है, जिसके लिए फर्रुखाबाद डिपो में बसों की टेस्टिंग शुरू कर दी गई है। परिवहन विभाग ने आगरा से फर्रुखाबाद के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर और

आरामदायक बनाने के लिए इन बसों की शुरुआत की है। फिलहाल दो बसों का परीक्षण किया जा रहा है और जल्द ही इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। क्या है इन बसों की खासियत? एआरएम राजेश कुमार के अनुसार, ये इलेक्ट्रिक बसें डीजल बसों की तुलना में बेहद किफायती और आरामदायक हैं। यात्रियों को सफर के दौरान झटके महसूस नहीं होंगे। इन बसों में आधुनिक सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा गया है- वातानुकूलित सफर- हर सीट पर एसी की सुविधा। सुविधाएं- प्रत्येक सीट पर मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, अग्निशमन यंत्र और प्राथमिक उपचार बॉक्स मौजूद हैं। रफ्तार और रेंज- एक बार फुल चार्ज होने पर बस करीब 250 किलोमीटर तक चल सकती है। इसकी अधिकतम रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटा है। किराया और समय आगरा से फर्रुखाबाद की 200 किलोमीटर की दूरी तय करने में इन बसों को लगभग 5 घंटे का समय लगेगा। इस सफर के लिए 427 रुपये किराया निर्धारित किया गया है। 200 किलोमीटर के सफर में बस की 55 से 60 प्रतिशत बैटरी खर्च होती है। बस को दोबारा चार्ज करने के लिए फर्रुखाबाद में चार्जिंग पॉइंट भी स्थापित कर दिया गया है, जहाँ इसे फुल चार्ज होने में करीब एक घंटा लगता है।

जनगणना 2027 के संबंध में जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में आगामी जनगणना 2027 को डिजिटल मोड में संपादित किए जाने से संबंधित प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की गई तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज, अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला, एसडीएम शिवपुरी आनंद राजावत, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर सहित जिला जनगणना समन्वय समिति के सदस्यगण एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान जनगणना कार्य निदेशालय से पीयुष पवार जिला प्रभारी द्वारा जनगणना से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर डिजिटल जनगणना प्रक्रिया, डाटा की शुद्धता, कार्य प्रणाली एवं निगरानी व्यवस्था से संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर श्री चौधरी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनगणना कार्य को पूर्ण गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ समय-सीमा के भीतर संपादित किया जाए, ताकि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की समय पर पूर्ति सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि जनगणना का प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) 1 मई से 30 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा, जबकि द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनगणना 2027 देश की 16वीं तथा स्वतंत्रता के बाद की आठवीं जनगणना होगी। यह गांव, शहर एवं वार्ड स्तर पर प्राथमिक आंकड़ों का सबसे बड़ा एवं विश्वसनीय स्रोत है। जनगणना के माध्यम से आवास की स्थिति, मूलभूत सुविधाएं, परिसंपत्तियां, जनसांख्यिकीय विवरण, धर्म, भाषा, साक्षरता, शिक्षा, आर्थिक गतिविधियां एवं प्रवासन जैसे विषयों पर सूक्ष्म स्तर का डेटा प्राप्त होता है। बैठक में बताया गया कि जनगणना-2027 पूर्णत: डिजिटल होगी तथा पहली बार नागरिकों को स्व-गणना (सेल्फ एन्युमरेशन) का विकल्प प्रदान किया गया है। आंकड़ों का संकलन स्व-गणना पोर्टल एवं मोबाइल एप (एचएलओ एप) के माध्यम से किया जाएगा। मकान सूचीकरण ब्लॉक का सृजन एचएलबीसी वेब पोर्टल से तथा जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी सीएमएमएस वेब पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। घर-सूचीकरण चरण में सर्वेक्षक भवन। उपयोग, निर्माण सामग्री, कमरों की संख्या, स्वामित्व, जल, विद्युत, शौचालय, खाना पकाने के ईंधन सहित फोन, वाहन, टेलीविजन जैसी परिसंपत्तियों सहित कुल 33 बिंदुओं पर जानकारी दर्ज करेंगे। कलेक्टर ने जनगणना कार्य हेतु तैनात किए जाने वाले मास्टर एवं फील्ड ट्रेनर्स, प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की सूची का अनिवार्य रूप से डिजिटल संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डीसीएम (DCM) और ऑल्टो कार के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद जनपद के थाना कादरीगेट क्षेत्र अंतर्गत इटावा-बरेली हाईवे पर आज एक तेज रफ्तार डीसीएम (DCM) और ऑल्टो कार के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस भीषण सड़क हादसे की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। जिलाधिकारी फर्रुखाबाद और पुलिस अधीक्षक फतेहगढ़ ने तत्काल संवेदनशीलता दिखाते हुए घटनास्थल का दौरा किया और राहत कार्यों की कमान संभाली। क्या है पूरा मामला? घटना थाना कादरीगेट क्षेत्र में शारदा कोल्ड स्टोर के पास की है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी फर्रुखाबाद और पुलिस अधीक्षक फतेहगढ़ बिना किसी देरी के घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद पुलिस बल को तत्काल राहत कार्य में जुटने के निर्देश दिए और एंबुलेंस के माध्यम से सभी घायलों को आनन-फानन में डॉ. राममनोहर लोहिया जिला अस्पताल भिजवाया। अस्पताल पहुंचकर जाना घायलों का हाल। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद, दोनों शीर्ष अधिकारी सीधे जिला अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने इमरजेंसी वार्ड में भर्ती घायलों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। जिलाधिकारी ने अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी और उपस्थित डॉक्टरों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए कि घायलों के उपचार में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए और उन्हें यथासंभव बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

कलेक्टर द्वारा लंबित आवेदनों की समीक्षा की

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा-कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सोमवार को लंबित आवेदनों की गहन समीक्षा की खासकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 19 फरवरी को विडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आयोजित होने वाली बैठक के संदर्भ में हो कि मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई जायेगी। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जिन विभागों से ग्रामीण विकास (पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक पंचायत स्तर पर नये राजस्व स्त्रोत का सृजन,एकल ग्रामीण) पीएम जनमन अंतर्गत कार्य प्रधानमंत्री आवास के अंतर्गत कार्य प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण अधिकार अधिनियम अंतर्गत निरस्त दावों का पुन: पंचकोशी यात्रा मार्ग पर जल-सुविधाओं और पर्यटक (स्कूल शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, जनजातीय कमी हेतु कार्य योजना,नामांकन में वृद्धि एवं ड्रॉपआउट कार्ययोजना,पुस्तकों का परिवहन जिला स्तर से दरों

विद्यार्थी द्वारा प्राप्त पुस्तक की पोर्टल पर एंट्री तथा 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों का प्रवेश 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों का प्रवेश आंगनवाडी या प्री-प्राइमरी में प्रवेश,आंगनवाडी केन्द्रों के निकटस्थ कक्षा 1 वाली शासकीय शाला में कोलोशन की कार्य योजना मिशन अंकुर - मेंटर विजिट की प्रगति,स्पॉट असेसमेंट की प्रगति बालिका शौचालय- बालिका शौचालय निर्माण की प्रगति बालिका शौचालय मरम्मत की प्रगति रोजगार, उद्योग एवं निवेश (औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, कुटीर एवं ग्रामोद्योग, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास)केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं में प्रदर्शन के आधार पर जिलों की वरीयता,प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना अंतर्गत ऋण,प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना अंतर्गत ऋण स्वीकृति,जिला स्तरीय कौशल विकास समिति - एक जिला एक उत्पाद योजना जिला स्तरीय समन्वय समिति एवं जिलास्तरीय समीक्षा समिति प्रधानमंत्री गति शिक्त,जिला व्यापार सुधार कार्य योजना ,सुशासन (राजस्व, विज्ञान एंव प्रोद्योगिकी, सामान्य प्रशासन, लोक सेवा प्रबंधन)नामांतर,बंटवार,राजस्व संग्रह,फार्मर रजिस्ट्री ध् किसान (भू-अभिलेख भूमिस्वामीवार) स्वामित्व योजना,भू-अधिग्रहण CMTS/MPeSeva/ eHRMS का उपयोग,विगत एक वर्ष (एक जनवरी 2025 से 31 जनवरी 26) के मध्य सी. एम. हेल्पलाइन का निराकरण,डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म ई- ऑफिस,लोक सेवा गारंटी,सी.एम हेल्पलाइन आर.सी.एम.एस के अलावा कानून एवं व्यवस्था (गृह, परिवहन) संवेदनशील बस्तियों का जोजन प्लान,नक्सली घटनाओं को समास करना,अवैध बांग्लादेशियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही, NCORD की जिला स्तरीय समिति की बैठकें अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विरुद्ध अपराधों,जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं Black Spot rectification नवीन कानून,सायबर क्राइम शस्त्र लाइसेंस डिटिजन पोर्टल इत्यादि की समीक्षा की गई है। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में संपन्न हुई इस बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे जबकि खंड स्तरीय अधिकारियों से विडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संवाद किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

थाना सेक्टर 113 पुलिस द्वारा 01 वाहन चोर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /सोनू / नोएडा, गौतम बुद्ध नगर / थाना सेक्टर 113 पुलिस द्वारा 01 वाहन चोर गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की 01 स्कूटी व एक अवैध चाकू बरामद। कार्यवाही का विवरण- थाना सेक्टर

113 पुलिस द्वारा दिनांक 15.02.2026 को अभियुक्त गौरव शर्मा पुत्र महेंद्र शर्मा को सेक्टर 71 अंडरपास के पास से गिरफ्तार किया गया है। कब्जे से चोरी की स्कूटी रजि0नं0 डीएल 8एस बीबी 0971 व एक अवैध चाकू बरामद। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण: गौरव शर्मा पुत्र महेंद्र शर्मा निवासी टोडापुर थाना इंदरपुरी दिल्ली 110012 हाल पता किराये का मकान ग्राम सर्फाबाद सेक्टर-73 थाना सेक्टर-113 नोएडा गौतमबुद्धनगर उम्र करीब 19 वर्ष पंजीकृत अभियोग का विवरण: ,मु0अ0स0 051/2026 धारा 317(5) बीएनएस व 4/25 आर्म्स एक्ट थाना सेक्टर 113 नोएडा । बरामदगी का विवरण - एक चोरी की स्कूटी रजि0नं0 डीएल 8एस बीबी 0971 एक अवैध चाकू

मंडी गेट पर करीब एक किलोमीटर लंबा जाम

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद फर्रुखाबाद 7 एशिया की सबसे बड़ी आलू मंडियों में शुमार फर्रुखाबाद की सातनपुर मंडी में सोमवार को यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। आलू की बंपर आवक और वाहनों क अव्यवस्थित ढंग से खड़े होने के कारण मंडी गेट पर करीब एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिससे राहगीरों को भारी किल्लत का सामना करना पड़ा। जाम का मुख्य कारण- मंडी क्षेत्र में इन दिनों आलू का सीजन चरम पर है। सुबह 4 बजे से ही ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और ट्रकों का आना शुरू हो जाता है। सोमवार को मंडी गेट के पास ट्रकों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के आड़े-तिरछे (अव्यवस्थित) खड़े होने की वजह से सड़क पूरी तरह ब्लॉक हो गई। देखते ही देखते वाहनों की लंबी कतार लग गई। इन इलाकों पर पड़ा असर ह जाम मंडी गेट से शुरू होकर सेंट्रल जेल चौराहे तक फैल गया। इस दौरान- दो पहिया और चार पहिया वाहन चालक घंटों फंसे रहे। कानपुर और एटा की ओर जाने वाला यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। स्थानीय किसानों के अनुसार, यह समस्या यहाँ अब रोज की बात हो गई है। पीड़ितों की जुबानी दीपक शाक्य (कार चालक)- मैं कायमगंज से कानपुर जा रहा था, पिछले 30 मिनट से गाड़ी एक इंच भी आगे नहीं बढ़ी है। ट्रक ड्राइवर सड़कों पर गाड़ी जैसे-तैसे खड़ी कर देते हैं। मोहित (DCM चालक)- कानपुर से एटा माल लेकर जा रहा हूँ, लेकिन पिछले 40 मिनट से इसी जाम में फंसा हुआ हूँ। प्रशासनिक चुनौती मंडी में आलू की आवक बढ़ने के साथ लोडिंग और अनलोडिंग का काम चौबीसों घंटे चल रहा है। पर्याप्त पार्किंग और ट्रैफिक प्रबंधन न होने के कारण आम जनता को इस अव्यवस्था का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। इस जाम से बचने के लिए क्या उपाय करने चाहिए कॉमेंट बॉक्स में कॉमेंट करके इस विषय पर अपनी रॉय दिजिए।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Troubled by a double chin? Stop hiding it with makeup, practice this face yoga for just 5 minutes a day and get a sharper jawline.

Facial fitness, or face yoga, is a natural and effective method that stretches, tones, and activates facial muscles to strengthen them. This technique improves facial blood circulation and refreshes and tightens the skin. Just 5 minutes of daily practice helps sharpen the jawline and reduce a double chin. Face yoga naturally tones facial muscles. Get a sharper jawline and a youthful face in just 5 minutes—improving blood circulation brings a natural glow to the face. Nowadays, everyone wants a young and toned body. Facial fitness is just as important as physical fitness in the gym. If you want to naturally tone and lift your face without surgery or expensive treatments, "face yoga" is the best solution. It's not just a beauty trend, but an effective way to activate and strengthen facial muscles. So let's learn about it in detail. What is Face Yoga? Face Yoga is a natural technique that stretches, tones, and relaxes the facial muscles. Similar to yoga, it works on over 40 facial muscles. It improves blood circulation, oxygenates the skin, and brings a natural glow to the face. How does it help enhance the jawline? The jawline is an important part of the facial structure, giving it a sharp and defined look. This area can become saggy due to aging or a poor lifestyle. Some simple 5-minute face yoga exercises can tone this area. Cheek Lift - Lift your cheeks upward with your fingers while smiling. Hold for 10 seconds, then release. Repeat 5 times. This tones the cheeks and defines the jawline. Fish Face - Pull your cheeks inward to form a fish-like mouth. Hold for 10 seconds. Repeat 5 times. This exercises the jawline and cheeks. Jaw Stretch - Tilt your head upward, relax your jaw, and pull it downward. Hold for 5 seconds and repeat 5 times. This stretch helps reduce a double chin. Tongue Press - Stick your tongue to the palate, feel the tension in your chin muscles. Hold for 10 seconds. Repeat this also 5 times. This technique tones the entire face, including the jaw area, reduces wrinkles, and strengthens the muscles. Natural Smile with Resistance - Create a slight smile while keeping your lips closed. Apply light pressure with your fingers and hold for 10 seconds. Repeat 5 times. This tightens the muscles. Effect of Regular Practice - If you do these face yoga exercises for even just 5 minutes daily, you will start seeing changes in your face within 2-3 weeks. The jawline becomes sharper, the face looks lifted and younger.

These 5 habits are eroding your brain like termites. Quit them now, or you'll suffer significant losses.

Some everyday habits can gradually damage our brain. All of these habits affect brain function, memory, and concentration. If not addressed promptly, they can lead to serious mental problems. Lack of sleep and stress damage brain cells. Poor eating habits and physical inactivity impair memory. Multitasking and smoking negatively impact brain function. The brain is the body's most sensitive organ, controlling not only the functions of the entire body. understand, and remember, but also for better decision-making, Therefore, a healthy mind is essential In today's busy lifestyle, we sharp memory, and mental stability. that gradually harm brain unknowingly adopt certain habits addressed in time, they can function. If these habits are not stress, anxiety, and lead to serious mental illnesses like these habits that weaken our Alzheimer's. Let's explore some of of deep sleep daily is essential brains daily. Lack of sleep: 7–8 hours Consistently lacking sleep for brain repair and memory. decision-making. Excessive damages brain cells, weakening cortisol, a hormone in the brain stress: Constant stress increases memory and learning. Poor that damages neurons and impacts junk food, processed food, or eating habits: Consuming too much and communication skills. sugar can impair brain structure vitamins, and antioxidants also Lack of omega-3 fatty acids, B impact brain health. Lack of physical activity - Not exercising daily prevents the brain from receiving adequate oxygen and nutrients, which gradually reduces its efficiency. Drinking less water - Drinking less water causes brain fatigue, lack of concentration, and irritability. Staying hydrated is essential for proper brain function. Listening to music at high volume - Continuously listening to music at high volume through headphones weakens hearing and affects the brain's auditory processing. Multitasking - The habit of juggling multiple tasks simultaneously puts the brain under increased stress, affecting focus and efficiency. Lack of social network - Being alone for long periods of time or not interacting with others can weaken the brain, leading to depression and memory problems. Skipping breakfast - Morning meals provide the brain with energy for the day. Skipping breakfast negatively impacts focus and thinking. Smoking and alcohol consumption – Consumption of intoxicants gradually damages the nerves of the brain, which weakens the memory, thinking and decision-making ability.

Frequently craving something sweet or spicy? Skip chips and chocolate and try these 5 smart foods.

Whenever you suddenly crave salt or sugar, opt for smart options that are both tasty and healthy instead of unhealthy snacks. If you're craving sweets, opt for dark chocolate, fresh fruit, and dates. If you're craving salty snacks, try roasted chickpeas, lemonade, or gram flour chillas. For sweet cravings, eat dark chocolate and fruit. For salty snacks, choose roasted chickpeas, buttermilk, or popcorn. Maintain both taste and health by choosing healthy options. Occasionally, sudden sweet or salty cravings are normal, especially when we're tired, emotionally distressed, or have been following a healthy diet for a long time. These cravings often draw us to unhealthy snacks like chips, namkeen, chocolate, or sweets, which not only contribute to weight gain but can also impact sugar levels and blood pressure. The good news is that you can satisfy these cravings smartly, with options that are tasty, balanced, and nutritious. Here are some healthy and smart food options to balance salt and sugar cravings. Let's learn about them. Smart options for sweet cravings: Dark chocolate (at least 70%) - It helps control sugar and is rich in antioxidants. Consuming it in moderation will be beneficial. Fruit salad or fresh fruit - Fruits like apples, bananas, papayas, or grapes provide natural sweetness, along with fiber and vitamins. Dates or raisins - These dried fruits instantly satisfy sweet cravings and provide energy. Try Greek yogurt with honey and fruit mix - This is a tasty, creamy, and protein-rich snack that is filling and satiates sweet cravings. Sugar-free oats laddus or homemade energy balls are sweet and healthy options you can easily make at home. Smart options for salty cravings: Roasted chickpeas or makhana are low-calorie snacks that taste delicious with a little salt and spices. Adding rock salt to lemonade or buttermilk not only satisfies salty cravings but also aids digestion and hydration. Gram flour or moong dal cheela is a healthy protein-rich option you can make with mild spices and vegetables. Cucumber and carrot slices with hung curd dip are savory and healthy. Crispy vegetables and a creamy yogurt dip are a salty treat. Air-popped popcorn (without butter) is a low-fat, high-fiber, and crunchy snack that satisfies salty cravings. Food cravings are normal, but choosing the right options helps keep you fit and healthy. The next time you're craving something sweet or salty, try these smart options and enjoy both taste and health.

After his marriage to cricketer Smriti Mandhana broke down, Palash Muchhal will star in a film with Salman Khan's heroine.

Following the breakup of his marriage to cricketer Smriti Mandhana, composer Palash Muchhal is developing a new thriller film. Shreyas Talpade will play the lead role, and an actress has now been finalized. Taran Adarsh ??announced this on X. Set in Mumbai, the film is set to begin shooting soon. Palash was engaged to be married to Smriti Mandhana. Shreyas Talpade will be the lead actor - Palash is developing a thriller. A few weeks after his marriage to cricketer Smriti Mandhana broke down, composer and filmmaker Palash Muchhal is back in the news. It seems the actor is determined to put everything aside and focus on his work. Putting aside the scandal surrounding his personal life, Palash is coming up with a new film. This will be a thriller, the title of which has yet to be finalized. Recently, news broke that Iqbal actor Shreyas Talpade would the lead role. Now, an update has emerged regarding the actress as well. Taran Adarsh ??revealed that Palash is reportedly going to cast actress Daisy Shah in his film. Daisy has been cast opposite Shreyas Talpade. On February 15th, TED analyst Taran Adarsh ??announced on X that Daisy Shah would play the lead actress opposite Shreyas Talpade in Palash Muchhal's film. He wrote, "Daisy Shah will join Shreyas Talpade Muchhal's next film... On the auspicious in Palaash occasion of Mahashivratri, director Palaash Muchhal has signed Daisy Shah as the lead actress opposite Shreyas Talpade in his upcoming film. Set in Mumbai, the film is expected to begin shooting soon. Who will play the lead actor? - The film's title hasn't been finalized yet, but its story is set in Mumbai, and shooting is expected to begin soon. According to reports, Shreyas Talpade will play a common man in the film. However, details about the story, supporting actors, and release date are currently under wraps. Palaash was set to marry Smriti - It's worth noting that Palaash Muchhal and Smriti Mandhana were set to tie the knot on November 23, 2025, after dating for several years. Palaash proposed to the cricketer on the cricket field, and the couple also completed pre-wedding rituals, including sangeet and haldi. However, this marriage later broke down.

Mrunal Thakur's real home address was leaked amid rumors of a wedding, forcing her to hire a security team.

Actress Mrunal Thakur has been in the news for rumors of dating and marrying Dhanush. She recently dismissed these rumors as "free PR" and thanked people for the publicity they've garnered. She also revealed that she had to hire a security team for her own safety. The actress's film, "The Girl in a Relationship with Dhanush," is releasing on February 20th. Is the actress getting married? Actress Mrunal Thakur has been in the news ever since rumors of dating superstar Dhanush began circulating. In a recent interview, the actress reacted to rumors of her marriage with Dhanush, calling it free PR and thanking people for the rumors. Speaking to HT, Mrunal laughed off the rumors, saying, "According to them, the wedding is happening." When asked if these rumours affect her, she said, "I didn't have a PR team until now. I had to hire a team to handle things because my home address was made public. I had to hire a team for my security. But I've realised that even if I spend Rs 3 crore, Rs 6 crore, Rs 10 crore, I'll never get this much publicity. So, a big thank you to all those who spread false rumours." When did the dating rumours start - Last year, Mrinal was seen at the wrap-up of Dhanush's film and the actor himself went ahead to receive her. This is when the rumours of the two dating started doing the rounds. Speculations intensified after she was seen meeting and hugging Dhanush at the premiere of 'Son of Sardaar 2', though neither of them confirmed their romantic relationship. Mrunal will be seen in Do Deewane Sheher Mein - On the work front, Mrunal is busy promoting the release of her romantic drama film 'Do Deewane Sheher Mein'. She stars alongside Siddhant Chaturvedi in this movie. Directed by Ravi Udyawar and produced by Sanjay Leela Bhansali in association with Zee Studios, the film is a romantic love story that teaches the meaning of love. The film is scheduled to release in theatres on February 20.

Ranbir Kapoor gave a major update on the sequel to "Yeh Jawani Hai Deewani," leaving RK fans excited.

Ranbir Kapoor has responded to the demand for a sequel to his 2013 hit film "Yeh Jawani Hai Deewani." Even 12 years after the film's release, fans are still hoping for a Part 2. However, Ranbir believes the film had a great ending and also provided an update on the sequel. Ranbir Kapoor's brand name is ARKS. The actor went live on Instagram. The film remains memorable even 12 years later. Directed by Ayan Mukerji, starring Ranbir Kapoor and Deepika Padukone, "Yeh Jawani Hai Deewani" was released in theaters in 2013. It remains memorable even 12 years later. The film was re-released last year and proved to be a success once again. Since then, fans have been demanding a sequel. When will Part 2 of "Yeh Jawani Hai Deewani" arrive? Now, Ranbir Kapoor has finally responded to the demand for a sequel to "Yeh Jawaani Hai Deewani." He said the film's ending was perfect and that it shouldn't be made. Speaking about the possibility of a sequel to Ayan Mukerji's 2013 hit, Ranbir said he understands many fans want to see a Part 2, but he doesn't think the film needs one. "Yeh Jawaani Hai Deewani" also starred Kalki Koechlin and Aditya Roy Kapur. He answered fans' questions: On Valentine's Day, Ranbir Kapoor went live on his venture ARKS's Instagram account and answered fans' questions. He was also asked about his previous film, "Yeh Jawaani Hai Deewani," and what he would like to say about a sequel. Ranbir said, "Many of you want a part 2, but there are so many new films, new directors and new ideas that can be worked on. I think the ending of 'Yeh Jawaani Hai Deewani' was perfect. So I don't think there is any need for a part 2." Update on Brahmastra 2 During the same conversation, Ranbir also talked about Ayan Mukerji's film 'Brahmastra 2'. He said, "Work is going on on Brahmastra 2, we will start shooting for that film very soon, even sooner than you expect." This increased the excitement about the film even more.